



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 28, 1978 (माघ 8, 1899)  
No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 28, 1978 (MAGHA 8, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० पी०/1890-प्रशा०-I—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा डा० टी० रामसामी को 1-12-1977 के पूर्वार्द्ध से 2 वर्ष की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 27 दिसम्बर 1977

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 5-12-1977 से 30 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, निम्नलिखित तदर्थ नियुक्तियों का आदेश दिया जाता है:—

(i) कुमारी संतोष हांडा, जो सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य कर रही हैं, को अवकाश प्रदान किए जाने के कारण, उनके स्थान पर श्री बी० आर० गुप्ता को, जो अनुभाग अधिकारी (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं, उन्हें सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए।

(ii) श्री बी० आर० गुप्ता, जो अनुभाग अधिकारी (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर

1-436 GI/77

कार्य रहे हैं, के पदोन्नति हो जाने के फलस्वरूप उनके स्थान पर सहायक अधीक्षक (हाल) श्रीमती डी० जे० ललवानी को अनुभाग अधिकारी (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए।

दिनांक 6 जनवरी 1978

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 30 जुलाई, 1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधीक्षकों हाल० को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1-1-1978 से दो मास की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक तथा संसाधन के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है:—

1. श्री एम० एल० घवन,
2. श्री जे० एल० कपूर और
3. कुमारी संतोष हांडा।

पी० एन० मुखर्जी  
अवर सचिव  
होले अध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 जनवरी 1978

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायक अधीक्षकों (हाल०) को, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1-1-78 के पूर्वाह्न से दो मास की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

1. श्री बी० आर० गुप्ता,
2. श्री एम० एम० शर्मा और
3. श्री जगदीश लाल

पी० एन० मुखर्जी  
अवर सचिव  
हृते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32011/1/77-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० सं० टे० से० का ग्रेड ग) श्री के० सुन्दरम को, जिन्हें समसंख्यक आदेश दिनांक 29 सितम्बर, 1977 द्वारा 30-11-1977 तक पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति द्वारा 1-12-1977 से 28-2-1978 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उसी रसियत में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० ए० 12024/4/77-प्रशा०-I—17-10-1977 को हुई वैयक्तिक वार्ता के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग द्वारा उनके चयन हो जाने के परिणामस्वरूप, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री एस० पी० चक्रवर्ती को 18-10-1977 से आगामी आदेशों तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

आयोग की अनुशंसा पर अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा श्री चक्रवर्ती का वेतन मूल नियम 27 के अधीन रु० 1500-60-1800 के वेतनमान में रु० 1740/- नियत किया गया है।

सं० ए० 19014/5/77-प्रशा०-I—भारतीय रेल सेवा के अधिकारी श्री एस० बाल चन्द्रन से 9-12-1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 20 दिसम्बर 1977

सं० ए० 31014/1/77-प्रशा०-III—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सहायक ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को, जो संघ लोक सेवा आयोग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्यरत हैं तथा इस संवर्ग से संबद्ध अनुभाग अधिकारियों की चयन सूची में सम्मिलित हैं, राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के नाम के सामने उल्लिखित तिथि से संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में मूल रूप से नियुक्त किया जाता है:—

क्रम सं०	नाम	स्थायीकरण की तिथि	विशेष
1.	श्री बी० एस० करदम	1-12-1975	30-9-77 से सेवा-निवृत्त
2.	श्री एम० एल० कौशल	1-1-1976	
3.	श्री पी० सी० गुप्ता	1-1-1976	
4.	श्री आर० सहाय	1-10-1976	
5.	श्री एस० एस० नागर	1-7-1977	
6.	श्री आर० जी० पुरंग	14-7-1977	
7.	श्री एम० पी० जैन	1-9-1977	
8.	श्रीमती बी० के० मदान	1-10-1977	

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा०-I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4-11-1977 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री आर० एस० ग्रहलुवालिया को राष्ट्रपति द्वारा 12-11-1977 से 29-12-1977 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 24 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा०-I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4-11-1977 में आंशिक संशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी अनुभाग अधिकारी सर्वश्री बी० एस० रियात और आर० आर० अहीर, को, राष्ट्रपति द्वारा क्रमशः 3-10-1977 से 31-12-1977 तक और 4-10-1977 से 29-12-1977 तक की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 28 दिसम्बर 1977

सं० पी०/556/-प्रशा०-I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 1-2-1977 के अनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा

श्री एम० एम० टामस की पुनर्नियुक्ति की अवधि को 1-12-1977 से एक मास की अतिरिक्त अवधि के लिए सहर्ष बढ़ाया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी  
अवर सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० पी०/1821-प्रशा०-I—भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में भूतपूर्व पादप शरीर क्रिया विज्ञानी तथा संघ लोक सेवा आयोग में स्थानापन्न उप सचिव डा० गोपाल स्वरूप की सेवाएं 5-1-1978 (अपराह्न) से भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान को पुनः सौंपी जाती है।

प्र० ना० मुखर्जी  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० पी० एफ०/बी०/3-जी०—पेंशन प्राप्ति की आयु होने पर श्री डी० एन० बाहुरी, स्थायी अनुभाग अधिकारी, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, 31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गये।

सं० पी० एफ०/आर०/19-एन० जी०—पेंशन प्राप्ति की आयु होने पर श्री आर० रामचन्द्रन, स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी केन्द्रीय सतर्कता आयोग, 31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गये।

श्री निवास  
अवर सचिव

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० ए० 19036/14/77-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, बम्बई शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री एस० बी० तलवार को दिनांक 23-11-1977 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19015/2/77-प्रशा०-5—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से श्री एच० एस० कश्यप को दिनांक 17-12-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अनुभाग अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19036/17/77-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना,

एतद्वारा पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो कलकत्ता शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री एन० सी० श्रुति को दिनांक 29-11-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

विजय पाल पाण्डे  
प्रशासन अधिकारी  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० ए० 19036/15/77-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री रणजीत कुमार सरकार, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता शाखा तथा पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के अधिकारी को दिनांक 28-11-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

ए० के० हुई  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 जनवरी 1978

सं० ओ०-II-1045/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर वी० दलीप मूर्ती को 18-12-1977 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 6 जनवरी 1978

सं० ओ० दो-1332/76-स्थापना—श्री प्रशान्त त्यागी ने उनके आई० बी० में प्रत्यावासन होने के फलस्वरूप, उप-पुलिस अधिक्षक, महानिदेशालय, के० रि० पु० दल पद का कार्यभार 31-12-1977 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 8 जनवरी 1978

सं० डी० एफ० 12/77-स्थापना—श्री एम० एम० थपलियाल की सेवाएं आई० टी० बी० पी० द्वारा के० रि० पु० दल को निवृत्ति करने के फलस्वरूप, उप-पुलिस अधिक्षक के पद पर 29-12-1977 (अपराह्न) से 35वीं वाहिनी में नियुक्त किए जाते हैं।

दिनांक 10 जनवरी 1978

सं० ओ०-II-1071/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डाक्टर सन्कू असारि गिरी, 28 बटालियन

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, का त्यागपत्र दिनांक 3-12-1977  
पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय  
सहायक निदेशक  
(प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय  
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल  
नई दिल्ली-24, दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० ई० 38013(3)17/77-कार्मिक—बड़ीदा से स्थाना-  
तरित होने पर, श्री एस० पी० मूलचंदानी ने 28 नवम्बर,  
1977 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट भिलाई  
इस्पात लिमिटेड भिलाई में सहायक कमांडेंट पद का कार्य-  
भार सम्भाल लिया।

ली० सि० बिष्ट  
महानिरीक्षक  
के० श्री० सु० ब०

दिनांक 31 दिसम्बर 1977

सं० प्रशासन-I/5-5/पदोन्नति/का० आ०-598/2121—  
वार्षिक निवर्तन की आयु पूरी कर लेने के परिणामस्वरूप  
इस कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री डी० वी० घोषाल 31  
दिसम्बर, 1977 के अपराह्न में सरकारी सेवा में सेवा  
निवृत्त हो गए हैं।

उनकी जन्म तिथि 30-12-1919 है।

ह० अपठनीय  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग  
महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 6 जनवरी 1978

सं० ई० बी०-I/8-132/77-78/371—श्री एम० ए०  
सिद्दीकी, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय,  
आंध्र प्रदेश I/II में सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31 दिसम्बर,  
1977 अपराह्न।

ह० अपठनीय  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार  
(प्रशासन)

महालेखाकार कार्यालय, प्रथम, पश्चिम बंगाल  
कलकत्ता-1, दिनांक 23 दिसम्बर 1977

सं० प्रशा०-I/1038-XV--/3267—महालेखाकार, प्रथम,  
पश्चिम बंगाल ने श्री निर्मल चन्द्र हालदार, स्थायी अनुभाग

अधिकारी को अस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के  
पद पर दिनांक 23-12-77 (अपराह्न) या उनके द्वारा  
वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियुक्त करने  
की कृपा की है। श्री हालदार महालेखाकार कार्यालय,  
द्वितीय, पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ उप महालेखाकार (ओ०  
ए० आई० सी०) से अपने वर्तमान पद से मुक्त हो कर  
महालेखाकार कार्यालय, केन्द्रीय के वरिष्ठ उप महालेखाकार  
(प्रशासन) को सूचित करें ताकि उस उक्त कार्यालय में  
रिक्त स्थान पर उनकी बहाली लेखा अधिकारी के रूप में  
हो सके।

लेखा अधिकारी को पारसार्थिक प्रवृत्ता यथा समय घोषित  
कर दी जायेगी।

पी० के० बन्धोपाध्याय  
वरिष्ठ उप महालेखाकार  
(प्रशासन)  
पश्चिम बंगाल

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक, द० म० रेलवे  
सिकन्दराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० एच०/ए०/II/5—श्री एम० अजयीकला स्वामी लेखा  
परीक्षा अधिकारी अधिवाषिकी की आयु प्राप्त करने के  
फलस्वरूप 31-12-1977 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से  
निवृत्त हुए।

डी० एन० प्रसाद  
उप मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० 18342/प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा  
सेवा के अधिकारी श्री एस० स्वामीनाथन को उस सेवा के  
वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-स्तर-1 (रूपये 2500/- 125/2-  
2750) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, दिनांक  
28-12-1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष  
नियुक्त करते हैं।

वी० एस० भीर  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक  
(प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय  
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 जनवरी 1978

सं० 5/बी०/51/62/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण  
के प्रशासनिक अधिकारी श्री ए० बी० एन० राव सरकारी

सेवा से वार्द्धक्यनिवर्तन पर 31-7-1977 के अपराह्न से निवृत्त हो गए।

बी० के० एस० बरदन  
महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय  
नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 4(59)/77-एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी विजामूरी लक्ष्मी को आकाशवाणी विशाखा-पटनम में 17-11-1977 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,  
प्रशासन उपनिदेशक,  
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय  
फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० ए० 12026/7/75-सिबन्दी-I—श्री एम०, चंद्रन् नायर स्थानापन्न, सहायक प्रशासनिक अधिकारी को, प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त करने के कारण फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने, श्री बि० आर० पेसवानी, स्थायी अधिकारी को दिनांक 29-12-1977 के पूर्वाह्न से, स्थानापन्न सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एम० चंद्रन् नायर  
प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय  
नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1978

सं० 27-6/75-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने संचार मन्त्रालय, डाक तार बोर्ड, नई दिल्ली के कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री पी० एल० नय्यर को 1 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/3/77 (सी० एफ० एल०)-प्रशासन-I—श्री ज्योति कुमार सरकार की, केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में, 26 मार्च, 1977 पूर्वाह्न से कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर स्थानापन्न आधार पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री ए० बसाक जो कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर तदर्थ आधार पर काम कर रहे थे, न उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12026/22/77 (एच० क्यू०) प्रशासन—राष्ट्रपति ने श्री सी० डबराल को 29 नवम्बर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (पुस्तकालय) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. उप निदेशक (पुस्तकालय) के पद पर अपनी नियुक्ति, हो जाने के फलस्वरूप, श्री सी० डबराल ने 29 नवम्बर 1977 पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली से अपर उप सहायक निदेशक (पुस्तकालय) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुदियाला  
अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1977

सं० ए० 19019/9/77-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० बी० डी० गुप्ता को 1 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 4 जनवरी 1978

सं० ए० 19019/21/77-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एम० मुथुकृष्णन् को 29 नवम्बर, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद में आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० ए० 19019/3/77-के० स्वा० से०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) पद्मिनी दास को 16 नवम्बर, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद में होम्योपैथिक फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19019/38/77-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) चन्दा जोशी को 15 अक्तूबर, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर में होम्योपैथिक फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19019/39/77-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० आर० के० मिश्रा को 9 सितम्बर, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ में होम्योपैथिक फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 22013/1/77-के० सं० स्वा० यो०-I—केन्द्रीय, सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद से केन्द्रीय सरकार योजना बम्बई में अपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप डा० ए

बी० शुक्ला, डेन्टल सर्जन ने 30 सितम्बर, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है और 3 अक्टूबर, 1977 पूर्वाह्न से बम्बई में डेन्टल सर्जन के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एन० एस० भाटिया  
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय  
(खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था  
कानपुर, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० स्था 3(1)/67-V/16875—डा० पी० के० आनंद, हो नियुक्ति मूल रूप से कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, जोव रसायन के स्थायी पद पर रु० 650-1200 के वेतन क्रम में राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर में दिनांक 1 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से की जाती है।

एन० ए० रामय्या  
निदेशक

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय  
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1978

सं० फाइल 4-5(86)/77-प्र०-III—श्री आर० नरसिम्हन्, सहायक विपणन अधिकारी को दिनांक 30 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया अल्पकालीन आधार पर 3 माह से अधिक की अवधि के लिए नहीं, या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से पहले जो भी घटित हो, तिरुपुर में स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग I), नियुक्त किया जाता है।

(2) विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री नरसिम्हन् ने दिनांक 19 नवम्बर, 1977 के अपराह्न में कलकत्ता में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० फाइल 4-6(125)/77-प्र०-III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 17 अक्टूबर, 1977 द्वारा अधिसूचित अल्पकालीन आधार पर दिनांक 26 सितम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से 3 माह की अवधि के लिए सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) के पद पर श्री बी० के० शिखल को नियुक्ति को दिनांक 31 मार्च, 1978 तक या जब तक पद को नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो पहला हो, बढ़ाया जा चुका है।

बी० पी० चावला  
निदेशक, प्रशासन  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

राष्ट्रीय वन साधनों का सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० 3-21/74-प्रशासन—श्री जसवन्त राय मल्होत्रा को, जो कि सैन्य लेखा महानियंत्रक के कैडर में रक्षा सेवा लेखा के स्थाई लेखा अधिकारी हैं, 26 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से राष्ट्रीय वन साधनों का सर्वेक्षण देहरादून में आगामी आदेश तक प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

श० पालित  
मुख्य संयोजक

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग  
मुम्बई-5, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

सं० पी० पी० ई० डी०/3(236)/76-प्रशा०-16781—इस कार्यालय की दिनांक 5 दिसम्बर, 1975 की समसंख्यक अधिसूचना में आंशिक संशोधन करके, इस प्रभाग के ड्राफ्ट्समैन 'सी०' श्री ए० एल० मरस्वते को नियुक्ति इसी प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड 'एस० बी०' के पद पर अस्थायी रूप से की जाने की तारीख 1 अगस्त, 1975 के स्थान पर 2 अगस्त, 1975 पढ़ी जाए।

बी० बी० थाटे  
प्रशासन अधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 4 जनवरी 1978

सं० क्रमनि०/2/1(1)/77 प्रशा०/1769—निदेशक क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, इसी निदेशालय के श्री वजीर चन्द, मुख्य भंडारी को प्रभारी, सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 वेतन क्रम में इसी निदेशालय में तदर्थ रूप से दिनांक 9-9-1977 से 13-1-1978 तक नियुक्त करते हैं।

सं० क्रमनि०/2/1(1)/77-प्रशा०/1775—निदेशक क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, इसी निदेशालय के श्री आर० सी० नय्यर, भंडारी को प्रभारी, सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में इसी निदेशालय में तदर्थ रूप से दिनांक 3-12-1977 से 13-1-1978 तक नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी  
सहायक कार्मिक अधिकारी

परमाणु विद्युत प्राधिकरण  
केन्द्रीय कार्यालय

मुम्बई-400039, दिनांक 22 दिसम्बर 1977

सं० ए० पी० ए०/प्रशासन/16/3/73—इस कार्यालय के सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० आर० रेगे को, उनका तबादला भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में हो जाने पर, 15 नवम्बर, 1977 के अग्रहस्त से कार्यन्मुक्त कर दिया गया है और उन्हें 46 दिन की अर्जित छुट्टी इस निर्देश के साथ दी जा रही है कि वे छुट्टी की समाप्ति पर भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में इपूटी के लिए रिपोर्ट करें।

आर० वी० राघवन,  
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32013/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री पी० एस० मलिक, सहायक तकनीकी अधिकारी को, जो कि इस समय निदेशक रेडियो निर्माण और विकास यूनिट, नई दिल्ली के कार्यालय में 22-9-1977 पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में काम कर रहे हैं, 7-11-1977 से तथा अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

दिनांक 6 जनवरी 1978

सं० ए० 32013/11/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री एम० ए० वेणुगोपाल तकनीकी अधिकारी को जो कि इस समय जाम्बिया में प्रतिनियुक्त पर हैं, 1-11-1977 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में, नियमित आधार पर, प्रोफार्मा पदोन्नति प्रदान की है।

सं० ए० 32013/11/77 ई० सी०—राष्ट्रपति ने तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में काम कर रहे निम्नलिखित 14 तकनीकी अधिकारियों को 1-11-1977 (पूर्वाह्न) से तथा अन्य आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में नियमित आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है।

क्रम सं० नाम तैनाती स्टेशन

(1)	(2)	(3)
1.	श्री एन० आर० स्वामी	नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, नागर विमानन विभाग हैदराबाद।

1	2	3
2.	श्री बी० के० खंडेलवाल	नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, नागर विमानन विभाग, कलकत्ता।
3.	श्री एस० के० सरस्वती	निदेशक, रेडियो निर्माण, और विकास एकक, नई दिल्ली।
4.	श्री एस० पी० हरदास	वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी।
5.	श्री बी० एन० एम० राव	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद।
6.	श्री बी० के० चौधरी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई।
7.	श्री एस० कृष्णास्वामी	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।
8.	श्री सुशील कुमार	महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय (मुख्यालय)। क्षेत्रीय कार्यालय, बम्बई।
9.	श्री जे० बी० शर्मा	क्षेत्रीय कार्यालय, बम्बई।
10.	श्री आर० के० सूद	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।
11.	श्री ए० जी० नरसिम्हा	निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली।
12.	श्री एम० एम० पोलोज	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।
13.	श्री ए० जगदेशन	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
14.	श्री के० सुरेन्द्र	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम।

दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० ए० 32013/5/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नियंत्रक केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एल० आर० गर्ग, वरिष्ठ संचार अधिकारी को 9 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर रिक्त स्थान उपलब्ध रहने की तारीख तक तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक संचार (परिचालन) के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें मुख्यालय में तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा,  
उपनिदेशक प्रशासन,

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 1/425/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० के० बसु को अल्प

कालीन रिक्त स्थान पर 21-10-77 से 21-11-77 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उपपरिचायक प्रवर्धक नियुक्त करते हैं।

प० कि० मो० नायर,  
उपनिदेशक (प्रशा०)  
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय,  
इलाहाबाद दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० 26/1977—सीमाशुल्क निवारक मण्डल, गोरखपुर में प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के पद पर तैनात श्री ए० पी० श्रीवास्तव अपनी सेवा-मुक्ति के पहले की छुट्टी समाप्त करने के बाद दिनांक 31-10-77 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से सेवामुक्त हो गए।

दिनांक 24 दिसम्बर 1977

संख्या 30/1977—स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक श्री हरभजन लाल, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय कानपुर में तैनात थे और उनकी नियुक्ति स्थानापन्न तौर पर इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्र संख्या 11-145-स्था०/75/44772, दिनांक 23-9-77 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश संख्या 1/ए/355/77 दिनांक 23-9-77 के अनुसार रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के परीक्षक वर्ग 'ख' के पद पर की गई थी। उन्होंने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय, इलाहाबाद में दिनांक 26-10-77 को दोपहर के पहले परीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 31/1977—श्री राजेन्द्र मोहन सिन्हा, स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) समेकित मण्डल कार्यालय, गोरखपुर में तैनात थे और उनकी नियुक्ति स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर दिनांक 23-9-77 के अनुसार, जो पृष्ठांकन पत्र-संख्या 11-140-स्था०/76-भाग/44626, दिनांक 23-9-77 द्वारा जारी किया गया था, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के रूप में की गई थी। उन्होंने समेकित मण्डल कार्यालय गोरखपुर में दिनांक 11-11-77 को दोपहर से पहले अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी 'ख' के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

अमृत लाल नन्दा, समाहर्ता

कानपुर, दिनांक 26 दिसम्बर 1977

सं० 132/77—श्री आर० डी० अग्रवाल स्थानापन्न/अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' अलीगढ़ ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद

शुल्क, एस० आर० पी०, अलीगढ़ के पद का कार्यभार दिनांक 30-9-77 (अपराह्न) को श्री आर० एस० सक्सेना, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अलीगढ़ को सौंप दिया और अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-9-77 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए।

के० पी० आनन्द,  
समाहर्ता

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय  
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1977

सं० 1/338/69-ई० सी० 9—इस विभाग के स्थानापन्न वास्तुक श्री बी० एस० सोनी वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-12-77 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए।

दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० 27/13/76-ईसी-9—महानिदेशक (निर्माण) श्री ए० आर० दोयेफोडे, सहायक वास्तुक, संलग्न वरिष्ठ वास्तुक (परामर्श) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त त्यागपत्र इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से स्वीकार करते हैं :—

2. 1-12-77 से इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख तक की अनुपस्थिति की अवधि पेन्शन सहित अन्य सभी मामलों के लिए 'डाइजनान' करार दी जाती है।

डी० पी० ओहरी,  
प्रशासन उप निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं० 23/2/77-ई० सी०-II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी वार्धक्य की आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके 31 अक्टूबर, 1977 (दोपहर बाद) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

नाम	वर्तमान पद नाम
(सर्वश्री)	
1. जी० बी० मलकानी	कार्यपालक, इंजीनियर (सतर्कता), केन्द्रीय कार्यालय, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली।
2. आर० डी० मिस्त्री	कार्यपालक इंजीनियर, बम्बई केन्द्रीय मंडल-1 केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, बम्बई।

सु० सू० प्रकाश राव,  
प्रशासन उपनिदेशक



मध्य रेल  
प्रधान कार्यालय  
कार्मिक शाखा

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1978

सं० एच० पी० बी० 220-जी०/ 11/ ओड—निम्न-  
लिखित स्थानापन्न सहायक विद्युत इंजीनियर (श्रेणी II)  
को उनके नाम के सामने दिखायी गई तारीख से उसी पद  
में स्थायी किया जाता है।

नाम	श्रेणी दो की सेवा में स्थायी- करण की तारीख
श्री बी० एस० आर० मूर्ती	22-3-1977
श्री व० सु० चेल्लप्पा	22-3-1977
श्री व्दा० प्र० श्रीवास्तव	22-3-1977

पी० आर० पुसालकर,  
महाप्रबंधक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोयम्बतूर स्टील इंड-  
स्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास 6, दिनांक 30 दिसम्बर 1977

सं० 5178/560/(5) / 77—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में  
एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि कोयम्बतूर स्टील इंडस्ट्रीस  
प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया  
गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सी० अच्युतन,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,  
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और होम प्रापर्टीस प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 30 दिसम्बर 1977

सं० 869/560 (3) / 77—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में  
एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन  
मास के अवसान पर होम प्रापर्टीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम  
इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से  
काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी  
जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अजंत मेच स्कूंस  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० 5431/560 (5)/77—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में  
2-436Q1/77

एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अजंत मेच स्कूंस प्राइवेट  
लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और  
उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इंडिया एयर कूलर्स  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० 5442/560 (5) / 77—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में  
एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि इंडिया एयर कूलर्स प्राइवेट  
लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और  
उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० वि० एस० चिट  
फंडस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-9, दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० 5735/560 (3) / 77—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में  
एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन  
मास के अवसान पर के० वि० एस० चिट फंडस प्राइवेट  
लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया  
गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी  
विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राजम चिट फंड  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 2 जनवरी 1978

सं० 6687/560 (5) / 77—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में  
एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि राजम चिट फंड प्राइवेट  
लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और  
उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पञ्चापकेशन,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,  
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्टर्लिंग इंजीनियरिंग  
एण्ड ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० 873/टक/164—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा  
सूचना दी जाती है कि स्टर्लिंग इंजीनियरिंग एण्ड ट्रान्स-  
पोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से  
काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जसराज बोहरा,  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

प्ररूप आई० टी०एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 9 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए-144/ सिलचर/77-78/1234-48—

यतः मुझे, एडवर्ट सिंग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० पता सं० 637 दांग सं० 5882,  
5883 और 5879 में है तथा जो मौजा सिलचर सहर परगना  
बारक पार, आसाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सिलचर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 2-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

(1) श्रीमत् माधवी दत्ता,  
स्वर्गीय मनिन्द्र संकर दत्ता,  
संकर भवन, हृस्पताल सड़क सिलचर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री कांशीराम जैन, स्वर्गीय शिउ नारायण जैन  
का पुत्र,  
2. श्री हनुमान प्रसाद जैन, श्री कांशीराम जैन का  
पुत्र,  
3. श्री ओम प्रकाश जैन, श्री कांशीराम जैन का पुत्र,  
4. श्री अजाय कुमार जैन, श्री कांशीराम जैन का  
केयर/आफ मैसर्स ईस्टिल ट्रेडर्स, अस्पताल, सड़क,  
सिलचर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

गोवाउन सकल का मकान का परिमाण 3,000 वर्ग फिट  
जो कि मौजा सिलचर सहर, परगना बारपार, जिला कछाड़,  
आसम प्रदेश में स्थित है।

एडवर्ट सिंग,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज, शिलांग.

तारीख : 9-1-78.

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 30 दिसम्बर, 1977

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-1346 (620)/2-1/  
77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 96/1, प्लॉट नं० 165, है, जो चामुंडा  
कृपा, प्लॉट नं० 165, मणिकपरा, अमरेली, में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अमरेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1901 (1908 का 16) के अधीन 2-5-76 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-  
सूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री कडोया चन्द्रकांत कडवा भाई, टैंक,  
2. श्री कडोया भानजी भाई, कडवाभाई टैंक,  
3. श्री कस्तूरबेन सुन्दरजी, टैंक, अमरेली ।  
(अन्तरक)

- (2) 1. श्री लुहार मनसुखलाल परपोतम दोविया,  
2. श्री लुहार मणीलाल परपोतम दोविया, चामुंडा  
कृपा, 165 मणिकपरा, अमरेली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति जो 'चामुंडा कृपा' के नाम से प्रख्यात है  
तथा जो 711 वर्ग भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 96/1,  
प्लॉट नं० 165 है तथा जो 165, मणिकपरा, अमरेली में स्थित  
है तथा, जिसका पूर्ण वर्णन 2-5-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 749  
में दिया गया है ।

एस० जी० परीख,  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 30-12-77

मोहर :

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०-23-I-1293 (621)/10-1/77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 171 तथा 172, है, जो वेरावल, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेरावल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 3-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रस्तावित :—

(1) 1. श्री पटनी अलारख हुसेन, भोडा, बहारकर, वेरावल, डिस्ट्रीक्ट : जूनागढ़

(अन्तरक)

(2) श्री भावना को० आप० हाऊसिंग सोसायटी, लि० की ओर से प्रमुख :— श्री आसनदास जेठानन्द कुष्माणी, वेरावल.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खेती बाड़ी वाली जमीन जिसका, कुल क्षेत्रफल 11737 वर्ग गज है तथा जो वेरावल में स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 171 तथा 172 है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 3-5-77 वाले दस्तावेज नं० 988 में दिए गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद.

तारीख : 30-12-77.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1977

निदेश सं० ए० सी० यू० 23-I-1339/(622)/16-6/  
77-78—प्रतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 374, प्लॉट नं०-5 है, जो मावडी प्लॉट  
राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट,  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 11-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) (i) श्री किशनचन्द जमनादास भाई पीरवाणी  
(ii) श्री रमेशचन्द्र जमनादासभाई पीरवाणी,  
(iii) श्री पहलाज जमनादासभाई पीरवाणी, भक्ति-  
नगर स्टेशन-प्लॉट-2 राजकोट

(अन्तरक)

- (2) मसर्स सौराष्ट्र ट्रेडिंग कं०, की ओर से भागीदार :-

- (i) श्री भूपतलाल धनजी भाई ताना,  
(ii) श्री चन्द्रकांत धनजी भाई ताना,  
(iii) श्री दिलीपकुमार धनजीभाई ताना, 32,  
प्रह्लाद प्लॉट, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 416-66 वर्ग गज भूमि पर स्थित  
है तथा जिसका सर्वे नं० 374, प्लॉट नं० 5 है तथा जो मावडी  
प्लॉट, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 11-5-77  
वाले बिक्री दस्तावेज नं० 958 में दिया गया है।

एस० सी० परीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 30 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्रहप आई० टी० एन० एस० —————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1978

निदेश सं० आर ए सी/175/77-78—प्रतः मुझे, के०एस०

वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मलगी नं० 15-1-6/1 है, जो नैजामशाई रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-1977 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लीलाबाई पती शंकरलाल अग्रवाल, घर नं० 15-1-1 ऊसमान गंज, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुभाबाई जैन, पति बममराज जैन, घर नं० 15-6-614 सोई अम्बर बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

मलगी नं० 15-1-6/1, जिसकी विस्तार नं० 38 वर्ग यार्ड नैजामशाई रास्ता, उसमानगंज के सामने हैदराबाद रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 1150/77 रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-1-1978.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी० न्यू०-23-I-1337 (627)/16-6/77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट करनपरा-3 है, जो 13 करनपरा तथा करनसिंह जी रोड के बीच, राजकोट में स्थित है (और इससे उपो-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-5-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सयपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) I. श्री द्वारकादाम गोकलदास तन्ना,

II. श्री कालीदास गोकलदास तन्ना,

1. मणीबेन चन्द्रभुज,

2. प्रमीला चन्द्रभुज,

3. मीनाक्षी चन्द्रभुज,

4. सगीर प्रीतीबाला चन्द्रभुज,

5. चेतना चन्द्रभुज,

6. हरीष चन्द्रभुज,

स्वर्गीय चन्द्रभुज गोकलदास के लीगल हेअर्स,

35, जगन्नाथ प्लाट, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण दास मूलजीभाई दोदिया,

पहेली खेतवाडी, बद्रीक आश्रम,

तीसरी मंजिल, रूम नं०-197,

अम्बई-4 ।

(अन्तरिती)

(3) मृतार ललीताबेन, कान्जी भाई ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 300-7-72 वर्ग गज भूमि पर स्थित है (हनुसाभवन जूना नाम) जिसका प्लॉट करनपरा-13 में है, तथा जो 13 करनपरा तथा करनसिंह जी रोड के बीच में स्थित है, (राजकोट) तथा जिसका पूर्ण वर्णन 18-5-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 1012 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 10-1-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 176/77-78—यतः मुझे, के० एस० बेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 206, 207, 208/14 है, जो टी० पी० जगा तीरुपती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तीरुपती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-5-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुनास्वामी रेड्डी, पिता धीनविनक टेशम रेड्डी-382 बनडाला तीरुपती।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गनुमपेटा सुबारतनम्मा, पती श्रीणाजारेड्डी घर नं० 81, नहरु वीड्डी तीरुपती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू 1

सम्पत्ति नं० 206, 207 और 208 टी० एस० नं० 4454/2 और 4453/2, पुराना वार्ड नं० 11 और नया वार्ड नं० 14 टी० पी० काजण तीरुपती में धीतुर धीला रजिस्ट्री की गई है, दस्तावेज नं० 820/77, उप रजिस्ट्री कार्यालय तीरुपती में।

के० एस० बेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद,

तारीख : 11-1-1978.

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 177/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7-11-1079/1 है, जो मिरची कम्पौड नैजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क अनुसूची में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

3-436/77

(1) श्री प्रानलाल पिता करसनजी, गुजराती होटल में रहते हैं, नैजामाबाद।

(अन्तरक)

(2) सरस्वती विणवा बृधनना भावमु कमेटी चलाने वाले श्री० एम० एस० यादगरी आचार्य, घर नं० 3-1-51 दयानन्द बाजार, नैजामाबाद।

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर नं० 7-11-1079/1 मीरची कम्पौड नैजामाबाद, रजिस्ट्री की गई है, दस्तावेज नं० 2040/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-1-1978.

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 178/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 231, 232 एस० डी० रास्ता है, जो सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, धारित:—

(1) स्वास्तीक कनस्ट्रक्शन कम्पनी, 111-सरोजिनी देवी रास्ता, सिकन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विभा भंडारी, घर नं० 11-3-3/11/2, उत्तर नेहरू नगर, सिकन्द्राबाद,।

(अन्तरिती)

(3) भारत हेवी इलेक्ट्रीकलस लिमिटेड, हैदराबाद।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वह उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 231 और 232, दूसरा मंजिलपर, चन्द्रलोक घर नं० 111, सरोजिनी देवी रास्ता, सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री की गई है, दस्तावेज नं० 797/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद.

तारीख : 11-1-1978.

सौहृद :

प्राकृत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 179/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 323 है, जो एस० डी० रास्ता, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपान्वत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धारिस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) स्वास्तीक कंस्ट्रक्शन कम्पनी, 111 एस० डी० रास्ता, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० बी० प्रातापरेडी घर नं०-6-3-344/1 रास्ता नं० 1 बनजारा हिल्स हैदराबाद-34

(अन्तरिती)

(3) डाईरेक्टर एटामिक मिनरल्स डिवलेपमेंट डिबीजन-111 एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुद्ध करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कार्यालय नं०-323 तीसरा मंजिला सता पर चन्द्रालोक घर नं०-111-एस० डी० रास्ता-सिकन्दराबाद में है, रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 798/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं०-180/77-78—यतः मुझे, के०

एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 3-4-11 और 12 है, जो महानकाली गली सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राधा किशन जाखीर पिता हरीदास जाखीर घर नं० 366-टी० एच० रास्ता-टोडीयारपेट- मद्रास (अन्तरक)

(2) श्री वनमाला जगनीश्वरय्या-पिता-वैनकय्या-2184 महानकाली गली सिकन्दराबाद । (अन्तरिती)

(3) 1. रामधेन्दर के० भगत (2) अम्बाभवानी (3) राधाकिशन जाखीर 3-4-11 और 12 महाकाली गली सिकन्दराबाद (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग से सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 3-4-11 और 12 महानकाली गली सिकन्दराबाद रजिस्ट्री की गई है बस्तावेज नं०-770/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 11 जनवरी 1978  
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1390 (629)/16-6/  
77-78—यतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 433-1 पैकी, प्लॉट नं० 127 है, जो सरदार  
नगर, टैगोर मेन रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1916 का 19) के अधीन दिनांक 11-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कृष्णकुमार सिंहजी जनकसिंहजी, की ओर से  
पावर आफ एटारनी होल्डर, श्री जनकसिंह जी चन्द्र-  
सिंह जी, राजपाल, ता० बडधानी सिटी  
(अन्तरक)

(2) (i) श्री जमनादास हरीलाल  
(ii) श्री चिमनलाल हरीलाल, श्री सत्यकुंज, सरदार-  
नगर टैगोर मेन रोड राजकोट  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो "सत्यकुंज" के नाम से प्रख्यात है  
तथा जो 600 वर्ग गज भूमि पर स्थित है, तथा जिसका सवे नं०  
433-1, पैकी प्लॉट नं० 127 है तथा जो सरदार नगर में टैगोर  
मेन रोड, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 11-5-77  
वाले बिक्री दस्तावेज नं० 959 में दिया गया है।

एस० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद

दिनांक : 13-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-1360 (630)/1-1/77-78—यतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 173-2-2 पैकी एफ० पी० नं० 200-1, 200-2 पैकी-एस० पी० नं० 5 है, जो प्रोजेक्ट टी० पी० एस-23 आचार-साबरमती, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) (I) मिस्त्री बबलदास त्रिभुवन दास,  
(II) श्री नटवरलाल बबलदास, साबरमती, राम-नगर अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) जी० एस० विलाखू एन्टरप्राइज की ओर से भागीदार श्री गुरुदेवसिंह विलाखू तथा अन्य, 12 घोषा सोसायटी, सरदार पटेल—इन्स्टीट्यूट तथा ड्राईव-इन-सिनेमा के सामने, थलतेज—रोड, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1050-8 वर्ग मीटर भूमि पर शेड है; तथा जिसका सर्वे नं० 173-2 पैकी है तथा जिसका एफ० पी० नं० 200-1, 200-2, सब प्लॉट नं० 5 है तथा जो प्रोजेक्ट टी० पी० एस-23, आचार-साबरमती, अहमदाबाद में स्थित है।

एस० सी० पारीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 13 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 20 दिसम्बर 1977

विशेष सं० सि० आर० 9450/77-78 अर्जन (वि)—यतः मुझे जे० एस० राव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी खाली जमीन नं० 12/3 ए है तथा जो कारेतिम्मन-हल्ली, अखलकहं रोड, मैसूर रोड क्रॉस-बंगलूर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बसवतगुडि, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दवा नं० 6, 1977-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, लिम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किंवा धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

1. मी० सत्यंकरा टेडर्स नं० 45, वैरसंझा रोड तिलकनगर, बंगलूर-11 अधिकारस्थ श्री एस जी० सत्यनारायण राव ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वी० वेंकटरायप्पा रेडि । वेंकटरामय्य शेड्टि के पुत्र । व्यापारी, गुलूर । बागोपल्ली तालुक कोलार जिला)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 6/77-78 दिनांक 1-4-77)

खाली जमीन नं० 12/3ए, करितीयनहल्ली, बंगलूर ।

सीमाएं और विवरण :

जैसे दस्तावेज में दिखाया गया है ।

द० नं० 6/77-78 बसवतगुडि रजिस्ट्रीकर्ता ।

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 20 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० सि० आर० 9451/77-78 अर्जन (बि०)—

यतः मुझे जे० एस० राव  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० कार्पोरेशन नं० 103 प्रकाश निलय (शंकर  
पार्क) है, तथा जो शंकर म० रोड, बंगलूर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि/बंगलूर/  
द० बा० नं०—4/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,  
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री एच० एच० अभिनव विद्यातीर्थ महास्वामि,  
जगद्गुरु—श्री शारदापीठ । श्रिगेरी ।  
(अधिकार पत्र प्राप्त) श्री के० कृष्ण भट्ट के द्वारा  
प्रतिनिधित । श्रिगेरी । शिवमोगा डिस्ट्रिक्ट ।  
(अन्तरक)

(2) श्री बी० एम० ठारकानाथा वि० एल० सुब्रय मूर्ति के  
पुत्र नं० 105, प्रकाश निलय' शंकर पार्क / शंकर  
मठ रोड । तवांकरपुरम । बंगलूर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4/77-78 ता० 1-4-77)

स्वती नं० -103 शंकर मठ रोड/बंगलूर-4

पूरा विवरण :—जैसे दस्तावेज नं० 4/77-78 में दिखाया  
गया है, और जो रजिस्ट्रीकर्ता बसवन गुडि के कार्यालय में रजिस्ट्री  
हो गया है ।

जे० एस० राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 20-12-77

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1977

अर्जन बी निर्देश सं० सि० आर० 9517/77-78:—यतः, मुझे, जे० एस० राब

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 206/45, पयालेस अप्प आर्चंड, एक्सटेन्सन है, तथा जो बंगलूर-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर/बंगलूर द० बा० नं० 109/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-4-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—  
4-436GI/77

1. श्री वि० वि० सुश्रमणि/दि०/वि० एस० वेंकटेश्वर अय्यर पुत्र के नं० 8, एल० एस० रोड, कलकत्ता-17। अभी; नं० 28, आर्च विशप मथियास अब्नेयू, मद्रास-28, श्री वि० एस० राजलू (जि० पि० ओ० होल्डर) के द्वारा प्रतिनिधित।

(अन्तरक)

2. श्रीमती/ संगीत सिधै अशोक सिधै की पुत्री नं० 208-अय्यर प्यालेस आर्चंड। बंगलूर-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सीमाएं, विवरण, और विस्तीर्ण दस्तावेज नं० 109/77-78 तारीख 14-4-77, में दिखाया जैसे, और रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्री हो गया है।

जे० एस० राब,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 22-12-1977

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22-दिसम्बर 1977

निर्देश सं० सि० आर० 62/9672/77-78—यतः मुझे जे० एस० राब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नं० 176, डिफेन्स आफिसर्स कालोनी, इंदिरा नगर बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर द० वा० नं० 35/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ले० का० ए० डब्ल्यू० सुनिता, नं० 475, पहली स्ट्रेज इंदिरा नगर, बंगलूर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वलसा मुथू, श्री जार्ज मेथू की पत्नी, वारटन कोर्ट, महात्मा गांधी रोड, बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 35/77-78 तारीख 6-4-77)

जमीन विस्तीर्ण, विरण और सीमाएं जैसे द० वा० नं० 35 में दिखाया गया है, और जो शिवाजी नगर रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में रजिस्ट्री हो गया है ।

जे० एस० राब,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-12-1977  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III,

4/14 क, आसफअलीमार्ग नई दिल्ली ।

दिल्ली-1 तारीख 10-1-1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/267/77-78/5064—अतः मुझे, ए० एल० सूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या ए०-2/137 है तथा जो सफदरजंग निवासी स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया तजाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णितः—

1. श्री आर० सुबरामनीयम, सुपुत्र श्री आर० राजगोपाला आइयर, निवासी 17, मुनुस्वामी मुदालिअर एवैन्यु, कांचीपूरम (तामिल नाडू)

(अन्तरक)

2. श्री बाल कृष्ण मोहला, सुपुत्र श्री द्वारका नाथ मोहला, सुशील मोहला तथा श्री अरुण कुमार खन्ना, सुपुत्र श्री बाल कृष्ण मोहला, निवासी ए०-2/137, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जो कि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 137, ब्लॉक नं० ए०-2 है, सफदरजंग निवासी स्कीम, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	रोड
पश्चिम	लेन
उत्तर	मकान नं० 136
दक्षिण	मकान नं० 138

ए० एल० सूद,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

दिल्ली-1 दिनांक 10-1-1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/266/77-78/  
5064—अतः मुझे ए० एल० सूद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या एस०-41 है तथा जो जनता मार्किट, राजौरी  
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्व से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 4-5-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जसवन्त सिंह, सुपुत्र श्री उशनाक सिंह, निवासी रोड़ नं०  
43, कोठी नं० 38, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-1  
(अन्तरक)

2. किमती लाल तथा श्री सोम नाथ सुपुत्र श्री सरदारी लाल,  
निवासी 3726, मोहल्ला शाह गंज, अजमेरी, गेट, दिल्ली-1  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मंजिला मकान जो कि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट  
पर बना हुआ है, जिसका नं० एस०-41 है, जनता मार्किट, राजौरी  
गार्डन, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	रोड़
पश्चिम	सर्विस लेन
उत्तर	जायदाद नं० एस०-42
दक्षिण	जायदाद नं० एस०-40

(ए० एल० सूद)  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 10 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/III/265/77-78/  
5065—अतः मुझे ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 52/22 है तथा जो रामजस रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-7-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. अनिल कुमार, महाजन सुपुत्र श्री चमन लाल महाजन, निवासी एन०-17, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री इन्द्र कुमार मलहोत्रा सुपुत्र श्री गिरधारी लाल मलहोत्रा,  
(2) श्री सतपाल गुलाटी सुपुत्र श्री किशन चन्द गुलाटी,  
(3) श्री केवल कृष्ण मनचन्दा, सुपुत्र श्री फतेह चन्द मनचन्दा (4) श्री रामेश राम चन्द्रा लोकेश्वर सुपुत्र श्री राम चन्द्र वेंकटारमन लोकेश्वर (4) श्रीमती शशी प्रभा, पति श्री राम मूर्ति भारद्वाज, सभी निवासी 8095/52/22, रामजस रोड़ डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

(3) इन्द्रजीत कुमार (2) श्री सतपाल गुलाटी (3) केवल कृष्ण मनचन्दा (4) श्री रामेश रामचन्द्र लोकेश्वर (5) श्रीमती शशी प्रभा भारद्वाज  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जोकि 252.80 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 52/22, मुख्यसिपल नं० 8095 है, रामजस रोड़, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में है।

अमृत लाल सूद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 10 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1  
 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 11 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस आर-III/73/  
 जुलाई-1(14)/77-78—अतः मुझे जे० एस० गिल  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
 धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
 करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
 बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
 और जिसकी सं० 57 है तथा जो गोलफ लिक्स, नई दिल्ली में  
 स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन  
 दिनांक जुलाई 1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
 बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
 प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
 (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
 अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
 नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
 सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० एस० सूद, सुपुत्र श्री नन्द लाल, निवासी  
 17, टालस्टाई मार्ग, नई दिल्ली।  
 (अन्तरक)

(2) मै० आत्मा स्टीलस प्रा० लि०, 201 अन्सल भवन,  
 16, कास्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
 के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
 द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
 दिया गया है।

#### अनुसूची

एक ट्वाई मंजिला पक्की बिल्डिंग जोकि 1373.4 वर्ग गज  
 क्षेत्रफल के प्लॉट नं० 57, ब्लाक नं० 10 पर बनी हुई है, गोलफ  
 लिक्स, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

उत्तर-पूर्व—प्लॉट नं० 58, ब्लाक नं० 10

उत्तर-पश्चिम—सर्विस रोड

दक्षिण-पश्चिम—प्लॉट नं० 56, ब्लाक नं० 10

दक्षिण-पूर्व—रोड

जे० एस० गिल  
 सक्षम अधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 11 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती राज अहुजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शोभा कुमार

भारत सरकार

(अन्तररिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज, बम्बई

दिनांक 19 दिसम्बर 1977

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० ल०-1/2011-39/अप्रैल-77—अतः मुझे एफ० जे० फर्नान्डीज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 769 (अंश) है तथा जो भूलाबाई बेसाई रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, दिनांक 4 अप्रैल 1977 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 418/74/बम्बई उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 4-4-77 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फर्नान्डीज  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन इकाला I, बम्बई

दिनांक : 19 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक 3 जनवरी 1978

निर्देश सं० 4263/एप्रिल/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की एस० सं० 283 कोयम्बतूर तालुका, कुनियमुतूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर II कोयम्बतूर 'डाकुमेण्ट 295/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, दिनांक 4 अप्रैल 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पी० बेलायुतम

(अन्तरक)

(2) श्री पलनियम्म गौन्डर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालुका, कुनियमुतूर गांव में 3.79 1/2 एकड़ जिसका एस० सं० 283 ।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक 3 जनवरी 1978

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० वेलायुतम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री विजयकुमार

(अन्तरिती)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक 3 जनवरी 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० 4263/अप्रैल/77—प्रतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिम की एस० सं० 282/1 और 283, कुनियमुतूर गांव, कोयम्बतूर (3 79 1/2 एकड़) में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II कोयम्बतूर 'डकुमेण्ट 296' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, दिनांक 4 अप्रैल 1977 को

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कोयम्बतूर तालुका, कुनियमुतूर गांव में 3.79 1/2 एकड़ (एस० सं० 282/1 और 283)

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक 3 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1978

निर्देश सं० 4279/प्रप्रैल/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिन की सं० कोयम्बतूर और चैककार स्ट्रीट सं० 2, डोर सं० 22/20 ए में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्राउंड III कडलूर (डॉक्यूमेंट 815/77) में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या हिस्से घर या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती टी० जे० लक्ष्मी अम्माल; (2) टी० जे० सुगुना; (3) टी० जे० कश्न; (4) टी० जे० रामचन्द्रन; (5) टी० जे० मोहन, (9) टी० जे० वीजयराघवन (मैनर) (7) गोकिलवामि (मैनर) (अन्तरक)

(2) श्री एन० रंगनातन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, और चैककार स्ट्रीट सं० 2, डोर सं० 22/20 ए में भूमि और मकान (टी० एस० सं० 5/295) ।

के० पोन्नन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 3 जनवरी 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 30 दिसम्बर 1977

सं० 539—यतः मुखे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिम्मा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 33 और 34 है, जो पोतलका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेट्रो प्रोलु से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 मई 77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिनियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री पि० सूर्यनारायण (2) पि० कृष्णमूर्ति  
(3) पि० दुर्गाप्रसाद (4) पि० भास्करराव  
(5) पि० अनंद मोहनराव, विजयवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री के० गोपालाकृष्णय्या पोतलका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मेट्रोप्रोलु रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज सं० 350/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 30-12-77

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 30 दिसम्बर 1977

सं० नं० 537—उपतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० एस मिल नं० 161 है, जो मोपिदेवि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय चल्लपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4 मई 1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तिम निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—

- (1) श्री के० कृष्ण सरस्वतम्मा (2) जी० सार्दकुमार
- (3) जि० सत्यवती देवी (4) एन० कमला तुलसम्मा
- (5) वि० विजय कुमार

(अन्तरक)

- (2) श्री के० भवानो संकर प्रसाद (2) के० सुसीलादेवी
- (3) वै० चिदानन्दा जैसूरथम (4) वै० पद्मनाभराव
- (5) के० वेंकटासुब्बाराव

(अन्तरिती)

4, जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चल्लपल्ली रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 749/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज काकीनाडा

दिनांक 30 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज काकीनाडा

दिनांक 30 दिसम्बर 1977

स० 538—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस को सं० 22-1-16 है, जो बैजाग में स्थित है (और इससे उपाह्वित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिसाखपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन दिनांक 5 मई 77 पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पि० कीदनडरामाराव (2) पि० श्रीनिवासा नरसिगराव (3) पि० मुरली कृष्णन, बिसाखपटनम (अन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटेश्वर्लु बैजाग

(अन्तरिती)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिसाखपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1188/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज काकीनाडा

दिनांक 30 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी, 78

निदेश नं० 610 ए०/ अर्जन/ मु० नगर/7778:—अतः,  
मुझे आर० पी० भार्गव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुढाना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, तारीख अप्रैल,  
1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जबर दीन एवं रघुबीर सिंह पुत्रगण कबूल नि०  
ग्राम पुखालियान, परगना शिकारपुर, तहसील  
बुढाना, जिला मु० नगर।  
(अन्तरक)

(2) श्री नाहर सिंह एवं कृपाल सिंह पुत्रगण बलबत सिंह  
निवासी पुखालियान परगना शिकारपुर तहसील  
बुढाना, मुजफ्फरनगर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
क.य.बाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि ग्राम पुखालियान परगना शिकारपुर  
जिला मुजफ्फरनगर 46,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-1-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी, 1978

निदेश नं० 737 ए०/ अर्जन/ बु० गहर / 77-78 —अन्तः,

मुझे आर० पी० भागव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०

है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुरता देवी पत्नी सत्यपाल सिंह निवास: मेड़ा परगना अहार, तहसील अनूपशहर जिला बुलन्दशहर।

(अन्तरक)

(2) श्री खूब सिंह पुत्र शिव सिंह निवासी खैरपुर परगना स्थाना सदपुर तहसील एवं जिला बुलन्दशहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा या।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि स्थित खरकली परगना स्थाना, जगन अचल जिला बुलन्दशहर 48,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भागव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी, 1978

निदेश न० 736 ए०/ अर्जन/ बु० शहर/ 7778:—अतः, मुझे आर० पी० भागव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०

है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री काले सिंह, सुखराज पुत्रगण जुल्लन निवासी माकड़ी पोस्ट खास परगना स्याना तहसील किला बुलन्दशहर।

(अन्तरक)

(2) श्री भवानी सिंह, फूलचन्द, मान सिंह पुत्रगण चिरंजी लाल निवासी माकड़ी पोस्ट खास जिला बुलन्दशहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किस्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि स्थित ग्राम माकड़ी परगना स्याना जिला बुलन्दशहर 30,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भागव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-1-78

मोहर



प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी 78

निदेश नं० 607 ए० मु० नगर/ 77-78/7307—अतः, मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुढाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-  
6-436 GI/77

(1) श्री अलीजान एवं रहमान पुत्रगण कबूल नि० ग्राम पुरबालिया परगना शिकारपुर, तहसील बुढाना, जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री मासूम अली, अफसरन, पुत्रगण मेहरबान (दोनों अवयस्क पुत्र) संरक्षक मेहरबान पुत्र कर्म सिंह निवासी ग्राम पुरबालियान परगना शिकारपुर तहसील बुढाना, जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि स्थित ग्राम सुरबालियान परगना शिकारपुर, जिला मुजफ्फरनगर 57,000 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी 78

निदेश नं० 738-अर्जन/बु०शहर/77-78/7307 :—अतः,  
मुझे आर० पी० भार्गव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके-पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन,  
तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

(1) श्रीमती अफसरि बेगम बेबा महबूब अली, नि०  
औरंगाबाद पोस्ट खास, परगना बरन जिला  
बुलन्दशहर ।

(अन्तरक)

(2) श्री शादी पुत्र बलदेव, चन्द्रपाल, अम प्रकाश, मेहीलाल  
पुत्र छिदा, हुकुम सिंह गंगादास पुत्रगण हरभजन,  
इतवारी पुत्र चुन्नी सिंह, रामस्वरूप पुत्र तुलसी  
निवासी, मूंडी बब्बापुर पोस्ट खास परगना स्याना,  
बुलन्दशहर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(अधल सम्पत्ति भूमि स्थित औरंगाबाद परगना बरन, जिला  
बुलन्दशहर 31500) के विक्रय मूल्य में बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी, 78

निदेश नं० 775 ए०/ अर्जन / कानपुर / 7778 :—अतः,

मुझे आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से  
अधिक है

और जिसकी सं०

है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घाटमपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुन्नालाल पुत्र राम नारायण निवासी ग्राम  
रनिया, पोस्ट रनिया, तहसील अकबरपुर, जिला  
कानपुर

(अन्तरक)

(2) श्री महेश्वर लाल एवं मिश्री लाल, राम प्रसाद एवं  
मेवा लाल पुत्र उजागर निवासी 86/3, सफेद कालोनी  
जूही, कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि ग्राम हिरनी परगना घाटमपुर जिला  
कानपुर, 30,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० पानकालाराव, राजमन्त्री

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक, 5 जनवरी 1978

सं० नं० 546—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 23-5-32 और 33 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 मई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) श्री टि० कोटेश्वर राव (2) टि० रामवर प्रसाद (3) टि० भुवनेश्वरराव (4) टि० हरी प्रसाद गुन्टूर। (अन्तरिती)

(3) एच० सुब्रह्मन्यम गुन्टूर (यह व्यक्ति जिसके अधिनोवा में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 मंजूरित दस्तावेज सं० 2301/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 5 जनवरी 1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० 552—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 10-1-4 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 मई 1977 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती के० अन्नपूर्णसागर (2) के० मैदली (3) केलक्षमय्या (4) के० चैतन्या (5) के० बालसुब्रह्मण्यम (6) के० रागवेंद्रराव (7) वि० स्वर्न कुमारी (8) डि० पारवतीदेवी (9) सि० एच० वेदवती (10) पि० कल्यानी (11) एम० दनलक्ष्मी गुन्टूर ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० वेंकटासुब्बय्या नरसायपालेम ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2450/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 7 जनवरी 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

● भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० नं० 553—यतः, मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिस की सं० 47-5-2 है, जो राजमन्त्री में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, राजमन्त्री में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 मई 77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री महमद वजीरुद्दीन राजमन्त्री

(अन्तरक)

(2) श्री एम० पानकालराय राजमन्त्री ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो,  
तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

राजमन्त्री रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1719/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 7 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 जनवरी 1978

सं०— यतः मुझे एन० के० नागराजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 30 और 31 है, वज्रकूटम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन 15-5-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) श्री एम० गंगराजु (2) एम० भट्टम (3) एम० सहयन्नारायण (4) एम० अप्पाराव (5) एम० नागप्पा (9) एम० अचाय्या, कोमरगिरी (अन्तरक)

(2) श्री डि० वेंकटाशेषाराव, चित्ताडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15 मई 1977 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1821/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज काकीनाडा

दिनांक : 7 जनवरी 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बि० लक्ष्मनराव विजयवाडा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अब्दुल अक्रम, विजयवाडा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज काकीनाडा

दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० 555 यतः मुझे एन० के० नागराजन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 9-68-27 है, जो विजयवाडा में स्थित है  
(और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 4 मई 1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-77  
म पंजीकृत दस्तावेज नं० 901/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षय अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 7 जनवरी 1978

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री टि० बरलक्ष्मी (2) टि० वि० ए० मोहनराव,  
सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० बसव संकरगव, गुडिवाडा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० नं० 556—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 15/1 है, जो गुडिवाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडिवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4 मई 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
7-436GI/77

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृतिः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गुडिवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 941/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 7 जनवरी 1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० नं० 557—यतः मुझे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 321 और 322/2 है, जो मईबरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मईबरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन 20 मई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात्:—

(1) श्री वि० रामकृष्णाराव (2) वि० लक्ष्मीनारायण (3) वेंकटा मुरलीधरराव (4) रामचन्द्राराव (5) वेंकटा विस्तुवदेनराव (9) सूर्यनारायण, वेलेवडम । (अन्तरक)

(2) (1) श्री अट्टा ऐडुकोन्डमु (2) अट्टा श्रीनिवासराय, थोलकोन्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मईबरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाँचक अंत 31-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 525/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 7 जनवरी 1978  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पि० दकचिनामर्ती, सेनाली

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टि० वि० पुरुशोत्तमराव, विजयवाडा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० नं० 559—यतः मुझे, एन० के० नागराजन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 27 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 19) के अधीन, 30 मई 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1278/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति

एन० के० नागराजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० नं० 560—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/24 है, जो निम्नमूल्य में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-5-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री एन० कृष्णराव, (2) श्री एन० पुनर्वन्धाराव विजयवाडा

(अन्तरक)

(2) श्री एस० वेंकटा सुब्बाराव (2) श्री एस० भारती निम्नमूल्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 15-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1324/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 591 —यतः मुझे, एन० के० नागराजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 15/मांचवरम बाई है, जो मचलीपटनम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्व श्री के० श्री रामूलु, के० वेंकटा गंगाधर प्रसाद  
राव, के० वेंकट सत्यनरसिंहाराव, मचलीपटनम  
(अन्तरक)

(2) श्री जि० कृष्ण, मचलीपटनम  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 31-5-77  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1320/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति  
मिसनरी के साथ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० नं० 562—यतः मुझे, एन० के० नागराजन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है, जो मचलीपटनम में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक -5-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जा  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्व श्री के० श्रीरामुलु, (2) के० वेंकट गंगाधर  
प्रसाद राव (3) के० वेंकटकृष्ण सत्यनरसिंहाराव  
मचली पटनम ।

(अन्तरक)

(2) श्री पि० लक्ष्मी गनपतिराव, मचलीपटनम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पॉक्षिक अंत 31-5-77  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1321/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति  
मिसनरी के साथ ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० नं० 563—यतः मुझे, एन० के० नागराजन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 15, नई वार्ड है, जो मचलीपटनम में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
19 'में' महीने में

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने के लिये सुविधा  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० श्रीरामुलु, (2) के० वेंकटा गंगाधर प्रसाद राव,  
(3) के० वेंकट कृष्ण सत्य नरसिंहाराव, मचली-  
पटनम।

(अन्तरक)

(2) श्री जि० एस० ए० सांबसिवराव मयलीपटनम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

मयलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1322/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती  
मिसनरी के साथ।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 564— यतः मुझे एन० के० नागराजन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे रूपन  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिस की सं० 15/नईवाड है, जो मचलीपटनम में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
19 'में' महीन में  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री के० रामुलु, (2) के० वैकट गंगाधर प्रसाद राव  
(3) के० वैकट कृष्ण सत्यनरसिंहाराव, मचलीपटनम  
(अन्तरक)

(2) श्री जि० मुत्तुनजय नाग कृष्ण विठल, मचलीपटनम ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1323/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती  
मिसनरी के साथ ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 9-1-78  
मोहर :

अर्जन रेंज, काकीनाडा



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 565—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15/नई बार्ड है, जो मचलीपटनम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन "मे" महीने में

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्र को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनि (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8—436GI/77

(1) श्री के० श्रीरामुलु (2) के० वेंकटगंगाधर प्रसाद राव (3) के० वेंकटा कृष्णसत्यनरसिंहाराव मचलीपटनम । (अन्तरक)

(2) श्री पी० लक्ष्मी रामाचन्द्रशेखर, मचलीपटनम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाद्विया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1324/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती मिसनरी के साथ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी, 78

निर्देश नं० 732 ए० / अर्जन/ बुलन्दशहर/7778:—अतः  
मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो

मे स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अप्रैल, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अब्दुल मन्ना पुत्र फैयाज खान श्रीमती सजद  
खातून पत्नी शमीमुद्दीन नि० अकबर पुर मोक्षा परगना  
अगौता पोस्ट मुलापड़ी बुलन्दशहर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अरशदी बेगम पत्नी फिरोज अहमद खान  
निवासी, अकबरपुर मोक्षा परगना एवं जिला बुलन्द-  
शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि ग्राम अकबरपुर मोक्षा जिला बुलन्दशहर  
800) के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी, 78

निदेश नं० 644 ए / अर्जन / गान्धाद / 7778 —अतः,  
मुख्य आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती भूदेवी पत्नी बलबीर सिंह निवासी ग्राम एवं पोस्ट सपनावत परगना डामना जिला गाजियाबाद वर्तमान पता 1291 ध्यारे लाल शर्मा रोड मेरठ (अन्तरक)

(2) श्री रामपाल सिंह राना पुत्र अर्जुन सिंह निवासी ग्राम एवं पोस्ट सपनावत परगना डामना जिला गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि स्थित ग्राम सपनावत परगना डामना जिला गाजियाबाद 45,000 के विक्रय मूल्य थे बेची गयी।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 17-1-78  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जि० वेंकटराव, विसाखपटनम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 568—यतः मझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 7-136 है, जो बोम्बिली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोम्बिली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-5-77 को को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

(1) श्री सी० एच० चिनगोपालराव पिरिडि ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बोम्बिली रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1781/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 569—यतः मुझे एन० के० नागराजन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिस की सं० 10-30-31 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) श्री इनटूरी पूर्णचन्द्राराव (2) इनटूरी चन्द्रसेकर,  
विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) महेश ट्रस्ट विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

(3) श्री जे० लक्ष्मी पति (2) के० लक्ष्मीनारायण (3)  
एन० श्रीरामुलु (4) बि० वेंकटेश्वरराव, विजयवाड़ा  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

सुष्ठीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पॉक्षिक अंत 31-5-77  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1159/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० अण्णलाराजु, काकिनाडा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) सि० जयलक्ष्मी विसाखपटनम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकाकीना

दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 570—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 1008 है, जो बालटेर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, विसाखपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-77 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

विसाखपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1525/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, काकाकीनाडा

तारीख : 9 जनवरी 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(2) श्रीमती सूर्यदेवर वरलक्ष्मी, गुडिवाडा ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

सं० 571—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 9/139 ह, जो गुडिवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडिवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम में 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-5-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अनुसूची

गुडिवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 954/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री आर० साम्राज्यम (2) आर० बाबूराव (3) आर० मंजुलादेवी (4) आर० वेंकटासाबसिवराव (5) आर० वेंकटा लक्ष्मी कुमारी ; गुडिवाडा ।

(अन्तरक)

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज काकीनाडा

तारीख : 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 572--यतः, मुझे, एन० के० नागराजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 309/2 है, जो वीरघट्टम में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, श्रीकाकुलम में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-77 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० जगनमोहनराव (2) श्री के० रामप्रसादराव  
(3) श्री के० मनमहाराव (4) श्री के० रामाकृष्ण  
वीरघट्टम । (अन्तरक)

(2) श्री अडपामोहनराव (2) श्री एन० भुजंगराव (3)  
श्री एन० मनमदाराव (4) एन० अपलास्वामी, वीरघट्टम  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

श्रीकाकुलम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1539/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 558—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 27 है, जो विजयावाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयावाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-5-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

9-436GI/77

(1) श्री पि० दक्षनामूर्ति तेनाली (अन्तरक)

(2) श्री टि० राजराजेस्वरी विजयावाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

विजयावाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 31-5-77 में जीकृत दस्तावेज नं० 1279/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

निदेश सं० ए-141/गौ/77-78/1034-36—अतः,  
मुझे, एगवर्ट सिंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दाग नं० 716 और 717 के पि० पत्ता नं० 225 मौजा बलटोला, गौहाटी आसाम है तथा जो गांव जफरिगोग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-5-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्रीमती सुशीला देवी शर्मा  
विश्वनाथ शर्मा की पत्नी (अन्तरक)

(2) मैसर्स खेमिकल और फार्मासुटिकल्स (इन्डिया)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन के माप 1 बीघा, 2 कट्टा 7 कू लेखा जो कि गांव जफरिगोग, मौजा बलटोला, गौहाटी, जिला कामरूप, आसाम में स्थित है ।

एगवर्ट सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 20 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० ए-142/ गो/77-78/1181-85-- अतः,  
 मुझे, एगवर्ट सिंह,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
 जिसकी सं० दाग नं० 208 के० पी० पत्ता नं० 8 मौजा  
 बेलटोला है तथा जो रुकमिनि गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
 कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
 का 16) के अधीन दिनांक 22-6-77 को  
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
 फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री केड्काई गोरा, रबिगारो, रुकमिनि गांव  
 मौजा बेलटोला, गौहाटी (अन्तरक)

(2) राज सिंह सादना, (2) भुपिन्दर सिंह सादना (3)  
 असविन्दर सिंह सादना, फेन्सी बाजार गौहाटी  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
 दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 2 बीघा 8 कट्टा, 5 लेचा जो कि रुकमिनि  
 गांव, बेलटोला मौजा, कामरूप जिला, गौहाटी, आसाम प्रदेश में  
 स्थित है।

एगवर्ट सिंह  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 29 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलांग

दिनांक 9 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए-143/सिलचर/77-78/1227-31—अतः

मुझे, एगबर्ट सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० आर० एस० पत्ता सं० 637, दान सं० 5882, 5883/5879 सहर, परगना बारकपार आसाम है तथा जो सिलचर मौजा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिलचर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-5-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनावेन्द्र सरकार दत्ता, स्वर्गीय मनिन्द्र सरकार दत्ता का पुत्र, शंकर भवन, अस्पताल सड़क, सिलचर। (अन्तरक)

(2) श्री काशीराम जैन, स्वर्गीय शिउ नारानन जैन का पुत्र। श्री हनुमान प्रसाद जैन, श्री काशीराम जैन का पुत्र। श्री ओम प्रकाई जैन, श्री काशीराम जैन का पुत्री श्री अजोय कुमार जैन, श्री काशीराम जैन का पुत्र केर/आफ मेसर्स ईस्टिल ट्रेडर्स, अस्पताल सड़क, सिलचर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाण 7 काता, 2 छटाक जो कि मौजा सिलचर शहर, परगना बारकपार, कछाड़ जिला आसाम में स्थित है।

एगबर्ट सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज शिलांग

दिनांक 9 जनवरी 1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 जनवरी 1978

निर्देश नं० 615 ए०/अर्जन/मु० नगर/7778—अतः मुझे, आर० पी० भार्गव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने की सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश लाल पुत्र रामजी लाल निवासी ग्राम काचला, परगना कांधला, तहसील बुढांना जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वर सिंह, अवतार सिंह पुत्रगण गिरवर सिंह सूर्यप्रकाश, चन्द्र प्रकाश, उमेश कुमार, कृष्ण कुमार संत कुमार पुत्रगण ईश्वर सिंह नाहर सिंह, पुत्र गिरवर सिंह, बृजपाल पुत्र नाहर सिंह निवासीगण खुवासपुर उर्फ मखमूलपुर डाकघर खास परगना कांधला जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवल संपत्ति भूमि लगभग 14 बीघा 18 बिस्वा 6 बिखोसी स्थित ग्राम कांधला, तहसील बुढांना जिला मुजफ्फर नगर 91913 के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 16 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक, 16 जनवरी 1978

निर्देश सं० 651ए/अर्जन/गा०वाद/77-78—अतः मुझे आर० पी० भार्गव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिम की सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रीम प्रकाश पुत्र मुगदी लाल श्रीमती सुशीला देवी रजनी बाला अग्रवाल, अरविद अग्रवाल पुत्र श्रीम प्रकाश निवासीगण 143 रागमगरान देहली गेट गा० वाद (अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार पुत्र दक्ष कुमार निवासी कम्बल वाली गली देहली दरवाजा गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति दुकान नं० 225 स्थित मोहल्ला कन्हैया लाल पसरेह बाजार नया दरवाजा जिला गाजियाबाद 40,000 के विक्रय मूल्य में बेची गई।

आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-1-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड-580004, दिनांक 7 जनवरी 1978

निर्देश सं० 201/77-78/अर्जन—यत. मुझे, डि० सि०

राजागोपालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 483 ए/2 और 3 है, जो कारवार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कारवार अंडर डाकुमेंट नं० 73/77-78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :-

1. श्री मोहन विस्वनाथ कस्त्रेकर, पावर आफ आर्टानि होल्डर डा० कामिनाथ, वि० बोरकरैपेनमेवर, कम्बा, काजुबाग, कारवार, ।  
(अन्तरक)

2. श्री दयानन्द अलियाम, शेशगिरी रामचन्द्र कामन, काजु-बाग, कारवार ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नाथ सैनगिरी जमीन कारवार मुनिसिपल एरिया का हद में है । सर्वे नं० 483ए/2 और 483ए/3, फुल ऐरिया 12.5 गुंटास और 11.5 गुंटास खुल ऐरिया-24 गुंटास ।

डि० सि० राजागोपालन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड

तारीख : 7-1-1978  
मोहर :

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd January 1978

No. F.6/78-SCA(I).—Shri S. K. Gupta, Registrar, Supreme Court of India has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of 1 January, 1978.

The 5th January 1978

No. F.6/77-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to continue Shri B. S. Dhawan to officiate as Deputy Registrar, until further orders.

No. F.6/15/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri H. D. Gulrajani, Assistant Registrar as Officiating Deputy Registrar with effect from 2 January, 1978 to 16 January, 1978 *vice* Shri B. S. Dhawan, granted leave, until further orders.

No. F.6/15/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint S/Shri A. N. Oberai and Mahesh Prasad, Assistant Registrars as Officiating Deputy Registrars with effect from the forenoon of 2 January, 1978, until further orders.

M. P. SAXENA

Registrar (ADMN.)

New Delhi, the 2nd January 1978

No. F.6/78-SCA(I).—Shri K. K. Gupta, Assistant Registrar, Supreme Court of India has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of 31 December, 1977.

R. SUBBA RAO,

Deputy Registrar (Admn.)

New Delhi, the 7th January 1978

No. F.6/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri Surender Lal, Court Master, as Officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of 6 January, 1978, until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri K. Chandramouli, Private Secretary to Hon'ble Judge, as Officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of 6 January, 1978, until further orders.

MAHESH PRASAD,  
Deputy Registrar (Admn. J)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 12th December 1977

No. P/1890-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to appoint Dr. T. Ramasami, to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a period of 2 years with effect from the forenoon of 1-12-77 or until further orders whichever is earlier.

The 27th December 1977

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The following *ad-hoc* appointments are ordered in the office of the Union Public Service Commission for a period of 30 days *w.e.f.* 5-12-1977 or until further orders, whichever is earlier :—

- (i) Shri B. R. Gupta, officiating as Section Officer (DP) on *ad-hoc* basis, to officiate as Asstt. Controller (DP) *vice* Km. Santosh Handa, officiating as Assistant Controller (DP) on *ad-hoc* basis, granted leave.

- (ii) Smt. D. J. Lalwani, Asstt. Supdt. (Holl), to officiate as Section Officer (DP) *vice* Shri B. R. Gupta, officiating as Section Officer (DP) on *ad hoc* basis promoted.

The 6th January 1978

No. A.12019/1/75-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated 30th July '77, Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Superintendents (Hollerith) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis, as Assistant Controller (DP) in the Commission's office for a further period of two months *w.e.f.* 1-1-78 or until further orders, whichever is earlier :—

1. Shri M. L. Dhawan,
2. Shri J. L. Kapur and
3. Miss Santosh Handa.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secy.  
for Chairman

New Delhi-110011, the 6th January 1978

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following Assistant Superintendent (Hollerith) in the office of the Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer (D.P.) in the Commission's office, for a further period of two months *w.e.f.* the forenoon of 1-1-78 or until further orders, whichever is earlier.

1. Shri B. R. Gupta.
2. Shri M. M. Sharma and
3. Shri Jagdish Lal.

P. N. MUKHERJEE  
Under Secy.  
for Secy.

New Delhi-110011, the 2nd December 1977

No. A.32011/1/77-Admn.I.—The President has been pleased to allow Shri K. Sundaram, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) cadre of Union Senior Service Commission, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant upto 30-11-1977 on purely temporary and *ad hoc* basis *vide* orders of even number dated the 29th September, 1977 to continue to officiate in the same capacity on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period with effect from 1-12-1977 to 28-2-1978 or until further orders, whichever is earlier.

The 17th December 1977

No. A.12024/4/77-Admn.I.—Consequent on his selection by the Union Public Service Commission on the basis of the personal talk held on 17-10-1977, the Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to appoint Shri S. P. Chakravarty, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission as Officer on Special Duty (Confidential) in the office of the Union Public Service Commission with effect from 18-10-1977 until further orders.

The Chairman, Union Public Service Commission, is also pleased to fix the pay of Shri Chakravarty at Rs. 1740/- in the scale of Rs. 1500-60-1800 under F.R. 27, as recommended by the Commission.

No. A.19014/5/77-Admn.I.—Shri S. Balachandran, an officer of the Indian Railway Accounts Service assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 9-12-1977 until further orders.

The 20th December 1977

No. A.31014/1/77-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Assistant Grade of the Central Secretariat Service officiating in the Section



Officers' Grade of the service in the cadre of the Union Public Service Commission and included in the Select List of Section Officers' Grade in respect of the same cadre, substantively in the Section Officers' Grade of the service in the cadre of the Union Public Service Commission with effect from the date specified against each :—

S.No.	Name,	Date of Confirmation,	Remarks.
-------	-------	-----------------------	----------

Since retired voluntarily  
w.e.f. 30-9-77.

1. Shri B. S. Kardam, 1-12-1975,
2. Shri M. L. Kaushal, 1-1-1976,
3. Shri P. C. Gupta, 1-1-1976,
4. Shri R. Sahai, 1-10-1976,
5. Shri S. S. Nagar, 1-7-1977,
6. Shri R. G. Purang, 14-7-1977,
7. Shri M. P. Jain, 1-9-1977,
8. Smt. V. K. Madan, 1-10-1977,

No. A.32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 4-11-1977, the President has been pleased to appoint Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for the period 12-11-1977 to 29-12-1977 or until further orders whichever is earlier.

The 24th December 1977

No. A.32013/1/77-Admn.I.—In partial modification of this office notification of even number dated 4-11-1977, the President is pleased to appoint S/Shri V. S. Riat and R. R. Ahir, permanent Section Officers of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods 3-10-1977 to 31-12-1977 and 5-10-1977 to 29-12-1977 respectively.

The 28th December 1977

No. P/556-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 1-2-1977, the President is pleased to extend the re-employment period of Shri M. M. Thomas for a further period of one month with effect from 1-12-1977.

The 5th January 1978

No. P/1821-Admn.I.—The services of Dr. Gopal Swarup, formerly Plant Pathologist in the Indian Agricultural Research Institute and officiating as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, are replaced at the disposal of the Indian Agricultural Research Institute, with effect from 5-1-1978 (AN).

P. N. MUKHERJEE,

Under Secy.,

Incharge of Administration.

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 5th January 1978

No. PF/B/3-G.—On his attaining the age of superannuation Shri D. N. Bahri a permanent/Section Officer of the Central Vigilance Commission, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1977.

10—436GI/77

No. PF/R/19-G.—On his attaining the age of superannuation, Shri R. Ramachandran, an officiating Section Officer of the Central Vigilance Commission, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1977.

SHRI NIVAS,

Under Secretary

for Central Vigilance Commissioner

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 7th January 1978

F.No. A-19036/14/77-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoint Shri S. B. Talwar, Inspector of Police, C. B. I., Bombay Branch and an officer of Maharashtra Police State to officiate as Deputy Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 23-11-77.

The 9th January 1978

F.No. A-19015/2/77-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Kashyap as Section Officer in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 17-12-77 till further orders.

F.No. A.19036/17/77-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri N. C. Rishi, Inspector of Police, C.B.I., Calcutta Branch and an officer of West Bengal Police to officiate as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 29-11-77 in a temporary capacity until further orders.

V. P. PANDEY,  
Administrative Officer

New Delhi, the 9th January 1978

No. A-19036/15/77-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Ranjit Kumar Sarkar, Inspector of Police, C.B.I., Calcutta Branch and an officer of West Bengal State Police to officiate as Deputy Supdt. of Police in C.B.I., Special Police Establishment with effect from the forenoon of 28-11-77 in a temporary capacity until further orders.

A. K. HUIJ  
Administrative Officer(E)

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 3rd January 1978

No. O.II-1045/76-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murty as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad hoc* basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 18-12-1977 or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 6th January 1978

No. O.II-1332/76-Estt.—Consequent on his repatriation to I.B., Shri Prashant Tyagi, relinquished charge of the post of Dy. S. P. (Coy. Comdr), Directorate General, CRPF New Delhi on the afternoon of 31-12-1977.

The 8th January 1978

No. D.I.12-77-1 stt.—On his services having been replaced at the disposal of the C.R.P.F. by the I.T.B.P., Shri M. M. Thaplival is appointed as Dy. S. P. (Coy Comdr.) in 35th Bn. of this Force with effect from the afternoon of 29-12-1977

The 10th January 1978

No. O.II-1071/77-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Sanku Asari Giri, IMO (GDO, Gd. II) 28th Bn. CRPF with effect from the forenoon of 3-12-1977.

A. K. BANDYOPADHYAY,  
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 2nd January 1978

No. E-38013(3)/17 77-Pers.—On transfer from Baioda Shri S. P. Mulchandani, assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit BIL Bhilai with effect from the afternoon of 28th November, 1977.

L. S. BISHI  
Inspector General/CISF

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 6th January 1978

No. Admn.I/5-5/Promotion/0.0.598/2121.—Consequent on attaining the age of Superannuation, Shri D. B. Ghoshal, a permanent Accounts Officer of this office has retired from Government Service in the afternoon of 31st December, 1977.

His date of birth is 30-12-1919.

K. H. CHHAYA  
SR. Deputy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 6th January 1978

No. EB.I./8-132/77-78/371.—Sri M. A. Siddiqui, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from service w.e.f. 31-12-1977 AN.

Sd./- ILLEGIBLE  
Sr. Deputy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I,  
WEST BENGAL

Calcutta-I, the 10th January 1978

No. Admn.I/1038-XV/3267 —The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint Sri Nirmal Chandra Halder, a permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity with effect from 23-12-1977 (AN) or the date on which he actually takes over charge as Accounts Officer. Sri Halder on being released of his present charge under Sr. Dy. Accountant General (CA—IC), Office of the Accountant General-II, West Bengal may report to the Sr. Dy. Accountant General (Admn.), Office of the Accountant General, Central for taking charge as Accounts Officer against the existing vacancy in that office.

The inter-se-seniority of the officer will be indicated in due course.

P. K. BANDYOPADHYAY  
Sr. Dy. Accountant General (Admn),  
West Bengal

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR SOUTH CENTRAL  
RAILWAY

Secunderabad, the 9th January 1978

No. Au/Admn./II/5/II—Shri M. Adakalasanay, Permanent Audit Officer of South Central Railway, retired from Government service on superannuation with effect from 31-12-1977, (Afternoon).

D. N. PRASAD  
Deputy Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL  
OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 5th January 1978

No. 18342/AN-II—The President is pleased to appoint Shri S. Swaminathan, an officer of the India Defence Accounts Service, to officiate in the Senior Administrative Grade—Level I (Rs. 2500—125/2—2750) of that service with effect from 28-12-1977 (forenoon), until further orders.

V. S. BHIR  
Additional Controller General of Defence Accounts

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA  
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 4th January 1977

No. 5/B/51/62/19A.—Shri A. B. N. Rao, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from afternoon of 31-7-1977.

V. K. S. VARADAN  
Director General.

DIRECTORATE GENERAL  
ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th January 1978

No. 4(59)/77SI—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. Vinjamuri Lakshmi as Programme Executive All India Radio, Vishakapatnam in a temporary capacity with effect from 17th November, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ  
Deputy Director of Administration  
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 2nd January 1978

No. A.12026/7/75-Est I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri V. R. Peswani, Permanent Superintendent, Films Division, Bombay to officiate as Asstt. Administrative Officer in the same office with effect from the forenoon of the 29th December 1977, vice Shri M. Chandran Nair, officiating Asstt. Administrative Officer, appointed as Administrative Officer

M. CHANDRAN NAIR  
Administrative Officer.  
for Chief Producer.

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 3rd January 1978

No. 27-6/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. L. Nayyar, Junior Accounts Officer of the Sanchai Mantralaya, Dak Pat Board New Delhi, to the post of Accounts Officer at the National Malaria Eradication Programme, Delhi, on deputation basis with effect from the forenoon of 1st December 1977, and until further orders.

No. A.12026/3/77(CFL)Admn.I.—Consequent to the appointment of Shri Jyoti Kumar Sarkar to the post of Junior Analyst in the Central Food Laboratory, Calcutta, with effect from the forenoon of 26-3-77 in an officiating capacity Shri A. Basak relinquished charge of the post of Junior Analyst held by him on *ad hoc* basis with effect from the same date.

No. A.12026/22/77(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri C. Dabral to the post of Deputy Director (Library) in the Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the forenoon of 29th November, 1977, on *ad hoc* basis until further orders.

2. Consequent on his appointment to the post of Deputy Director (Library), Shri C. Dabral relinquished charge of the post of Additional Deputy Assistant Director (Library), Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of 29th November, 1977.

S. L. KUTHIALA

Dy. Director Administration (O&amp;M).

New Delhi, the 31st December 1977

No. A. 19019/9/77-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. V. D. Gupta to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme at Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 1st December, 1977.

The 4th January 1978

No. A. 19019/21/77 CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. M. Muthukrishnan to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme at Allahabad on temporary basis with effect from the forenoon of 29th November, 1977.

The 7th January 1978

No. A.19019/3/77-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs) Padmini Das to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme at Hyderabad on temporary basis with effect from the forenoon of 16th November, 1977.

No. A.19019/38/77-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Km.) Chanda Joshi as Homoeopathic Physician on temporary basis under CGHS, Bangalore with effect from the forenoon of the 15th October, 1977.

No. A.19019/38/77 CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. K. Mishra to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme, Meerut, on temporary basis with effect from the afternoon of 9-8-77

No. A.22013/1/77-CGHS.I.—On his transfer from C.G.H.S. Hyderabad to C.G.H.S. Bombay, Dr. A. V. Shukla, Dental Surgeon relinquished charge of his post at CGHS Hyderabad on the afternoon of 30th September, 1977 and assumed charge of the post of Dental Surgeon at Bombay on the forenoon of 3rd October, 1977.

N. S. BHATIA

Deputy Director Admn. (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURAL & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF FOOD)

## NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 26th December 1977

No. Estt.3(1)/67-V 16875.—Dr. P. K. Agarwal is appointed substantively to the permanent post of Junior Scientific Officer (Bio-Chemistry) (G.C.S. class-II gazetted) now group—'B' in the pay scale of Rs. 650—1200 at the N.S.I., Kanpur with effect from 1-12-1975.

N. A. RAMAIAH

Director

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Fardabad, the 3rd January 1978

No. F.4-5(86)/77-A.III.—Shri R. Narasimhan, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Tirupur with effect from 30-11-77 (F.N.), on purely short-term basis, for a period not exceeding 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. On his promotion as Marketing Officer, Shri Narasimhan relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Calcutta in the afternoon of 19-11-77.

No. F.4-6(125)/77-A.III.—The appointment of Shri V. K. Singhal, to the post of Assistant Marketing Officer (Group III), on short-term basis for a period of 3 months with effect from 26-9-1977 (F.N.), notified *vide* this Directorate's Notification of even No. dated 17-10-77, has been extended upto 31-3-78 or until the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA

Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

## NATIONAL FOREST RESOURCES SURVEY

Dehra Dun, the 5th January 1978

No. 3-21/74-Adm.—Shri I. R. Malhotra, permanent Accounts Officer belonging to the cadre of Controller General of Defence Accounts, is hereby appointed as Accounts Officer in National Forest Resources Survey, Dehra Dun w.e.f. 26-12-1977 (F.N.) on deputation terms, until further orders.

S. B. PALIT

Chief Coordinator

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 29th December 1977

No. PPHD/3(236)/76-Adm.16781.—In partial modification of this office's notification of even number dated December 5, 1975 the date of appointment of Shri A. L. Saraswate, D/Man 'C' of this Division as Scientific Officer/Engineer, Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity, may please be read as August 2, 1975 instead of August 1, 1975.

B. V. THATTA

Administrative Officer

## DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 4th January 1978

No. DPS/2(1)/77-Adm./1769.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Wazirchand, Chief Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer on *ad hoc* basis in the scale of pay

of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the same Directorate with effect from 9-9-1977 to 13-1-1978.

No. DPS/2/1(1)/77-Adm./1775.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. C. Nayyar, Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer on *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 3-12-1977 to 13-1-1978.

B. G. KULKARNI  
Assistant Personnel Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY  
(CENTRAL OFFICE)

Bombay-400039, the 22nd December 1977

No. APA/Adm./16/3/73.—Consequent on his transfer to the Bhabha Atomic Research Centre, Shri V. R. Rege, Asstt. Accounts Officer in this Office has been relieved of his duties on the afternoon of November 15, 1977 and granted earned leave for 46 days from November 16, 1977 with instructions to report to BARC on the expiry of that leave.

R. VEERA RAGHAVAN  
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 26th December 1977

No. A.32013/4/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Mullick, Asstt. Technical Officer at Present officiating as Technical Officer on *ad-hoc* basis with effect from the 22-9-77 (FN) in the Office of the Director, Radio Construction & Dev. Units, New Delhi to the grade of Technical Officer on regular basis with effect from the 7-11-77 and until further orders and to post him at the same station.

The 6th January 1978

No. A.32013/11/77-EC.—The President is pleased to approve the proforma promotion of Shri M. A. Venugopal Technical Officer in the Aeronautical Communication organisation of the Civil Aviation Department, at present on deputation to Zambia, to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from the 1-11-77 (FN) and until further orders.

No. A.32013/11/77-EC.—The President is pleased to appoint the following 14 Technical Officers working as Senior Technical Officer on *ad-hoc* basis, as Senior Technical Officer on regular basis in the Civil Aviation Department with effect from the 1-11-1977 (FN) and until further orders at the station indicated against each.

S. No., Name and Station of Posting :

1. Shri N. R. Swamy, Controller of Aeronautical Inspection, C.A.D., Hyderabad.
2. Shri V. K. Khandelwal, Controller of Aeronautical Inspection, C.A.D. Calcutta.
3. Shri S. K. Saraswati, Director, R.C.D.&U, New Delhi.
4. Shri S. P. Hardas, A.C.S. Gauhati.
5. Shri B. N. M. Rao, A.C.S. Hyderabad.
6. Shri V. K. Chaudhury, A.C.S. Bombay.
7. Shri S. Krishnaswamy, ACS, Madras.
8. Shri Sushil Kumar, D.G.C.A. (HQ).
9. Shri J. V. Sarma, Regional Office, Bombay.
10. Shri R. K. Sood, O.A.T.C. Allahabad.
11. Shri A. G. Narasimha, Director, R.C.D.&U., New Delhi.
12. Shri M. M. Poulese, A.C.S. Calcutta.
13. Shri A. Jagdishan, A.C.S. Safdarjung Airport, New Delhi.
14. Shri K. Surender, A.C.S. Palam.

The 7th January 1978

No. A.32013/5/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri L. R. Garg, Senior Communication Officer in the office of Controller of Central Radio Stores Depot, New Delhi to the grade of Assistant Director of Communication (Operation) on *ad-hoc* basis with effect from the 9th December, 1977 (FN) and till such date the vacancies are available on *ad-hoc* basis and to post him in the Headquarters.

S. D. SHARMA  
Deputy Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 9th January 1978

No. 1/425/77-ES1.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Basu, Supervisor, Calcutta Branch as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch for the period from 21-10-77 to 21-11-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY  
Administrative Officer  
for Director General.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, ALLAHABAD

Allahabad, the 17th December 1977

No. 26/1977.—Shri A.P. Srivastava, Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' posted at Customs and Preventive Division, Gorakhpur, after expiry of his leave preparatory to retirement has retired from Government service in the afternoon of 31-10-77.

The 24th December 1977

No. 30/1977.—Shri Harbhajan Lal, officiating Office Superintendent of Central Excise posted in Central Excise Hdqrs. Office, Kanpur and appointed to officiate as Examiner of Central Excise Group 'B' in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 vide Establishment Order No. I/A/355/77 dated 23-9-77 issued under endorsement C. No. II-145-Et/75/44772 dated 23-9-77 takeover charge of the office of the Examiner of Central Excise Group 'B' in the Central Excise Hdqrs. Office, Allahabad on 26-10-77 (F.N.).

No. 31/1977.—Shri Rajendra Mohan Sinha, Confirmed Inspector (S.G.) posted in Integrated Divisional Office Gorakhpur and appointed to officiate as Superintendent of Central Excise Group 'B' in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 vide this office Establishment No. I/A/354/77 dated 23-9-77 issued under endorsement C. No. II-140-ET/76/Pt./44626 dated 23-9-77 takeover charge of the office of the Superintendent of Central Excise Group 'B' in the Integrated Divisional Office, Gorakhpur on 11-11-77 (F/N).

A. L. NANDA  
Collector

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, KANPUR

Kanpur, the 26th December 1977

No. 132/77.—Shri R. D. Agarwal, officiating Superintendent Central Excise, Group 'B' Aligarh handed over the charge of Superintendent Central Excise S.R.P. Aligarh in the forenoon of 30-9-77 (A.N.) to Shri R. S. Saxena, Superintendent Central Excise Aligarh and retired from Government service on attaining the age of superannuation in the afternoon of 30-9-1977.

K. P. ANAND  
Collector

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 31st December 1977

No. 1/338/69-FCIX.—Shri B. S. Soni, Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31-12-77 (A.N.).

The 5th January 1978

No. 27/13/76-ECIX.—The Director General of Works, is pleased to accept the resignation tendered by Shri A. R. Doipha, Assistant Architect, attached to Senior Architect (Consultancy) C.P.W.D., New Delhi, with effect from the date of issue of this Notification.

2. The period of absence from 1-12-77 to the date of issue of this Notification has been treated as dies-non for all purposes including pension.

D. P. OHRI

Dy. Director of Administration

## OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 1st November 1977

No. 23/2/77-EC.II.—The following Officers of Central P.W.D. on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Government service with effect from 31-10-77 A.N.

## Name and Present Designation :

S/Shri

G. B. Malkani, Executive Engineer (Vigilance), C.O., C.P.W.D., New Delhi.

2. R. D. Mistry, Executive Engineer, Bombay Central Division No. I, C.P.W.D., Bombay.

S. S. P. RAU

Deputy Director of Administration  
for Engineer-in-Chief

## CENTRAL RAILWAY

Bombay (VT), the 6th January 1978

No. HPB/220/G/II/L.—The undermentioned Officiating Assistant Electrical Engineers (Class II) are confirmed in that appointment with effect from the date shown against each.

## Names and Date of confirmation in Class II Service :

1. Shri B. S. R. Murthy—22-3-1977.

2. Shri V. S. Chellappa—22-3-1977.

3. Shri D. P. Srivastava—22-3-1977.

P. R. PUSALKAR

General Manager

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE &amp; COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Coimbatore Steel Industries Private Limited*

Madras-600006, the 30th December 1977

No. 5178/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Coimbatore Steel Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN

Asstt. Registrar of Companies  
Tamilnadu

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Home Properties Private Limited*

Madras-6, the 30th December 1977

No. DN/869/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 ( ) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Home Properties Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Ajant MACHSCREWS Private Limited*

Madras-600006, the 2nd January 1978

No. 5431/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ajant MACHSCREWS Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. India Air Coolers Private Limited*

Madras-600006, the 2nd January 1978

No. 5442/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. India Air Coolers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
K. V. S. Chit Funds Private Limited*

Madras-600006, the 2nd January 1978

No. 5735/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 ( ) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of K. V. S. Chit Funds Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Rajam Chit Fund Private Limited*

Madras-6, the 2nd January 1978

No. 6687/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rajam Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN

Asstt. Registrar of Companies  
Tamil Nadu

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Sterling Engineering And Transport Company Private  
Limited*

Gwalior-474001, the 7th January 1978

No. 873/KBLJ/164.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 5 of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Sterling Engineering And Transport Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

J. R. BOHRA

Registrar of Companies  
Madhya Pradesh, Gwalior

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 9th January 1978

Ref. No. A-144/SILCHAR/77-78/1234-38.—Whereas, 1, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. Patta no. 637, Dag no. 5882, 5883 and 5879 situated at muza-Silchar town, Pargana Baraknar Assam. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 2-5-1977 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Madhabi Dutta (Smt. MADHABI DUTTA) w/o. Late Monindra Sankar Dutta Sankar Bhavan, Hospital Road, Silchar.

(Transferor)

(1) 1. Sri Kashi Ram Jain s/s. Late Show Narain Jain.  
2. Sri Hanuman Prasad Jain s/o Sri Kashi Ram Jain.

3. Sri Om Prakash Jain s/o Sri Kashi Ram Jain

4. Sri Ajay Kumar Jain s/o Sri Kashi Ram Jain  
Care of Messrs Steel Traders, Hospital Road, Silchar,-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building of godown type measuring 3000 sq ft. (approx) situated at muza Silchar town, Pargana Baraknar in the district of Cachar (Assam).

EGBERT SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong

Date : 9.1.1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th December 1977

No. Acq. 23-1-1346(620)/2-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 96/1, Plot No. 165, situated at Chamundakrupa, Plot No. 165, Manekpara, Amreli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amreli on 2-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Kadiya Chandrakant Kadwabhai Tank,  
(2) Kadiya Bhanjibhai Kadwabhai Tank,  
(3) Kasturben Sundarji Tank, Amreli (At present : Rajkot)  
(Transferor)
- (2) (1) Luhar Mansukhlal Parshottam Dodiya  
(2) Luhar Manilal Parshottam Dodiya,  
Chamunda Krupa, 165, Manekpara, Amreli.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A residential building known as "CHAMUNDA KRUPA", bearing S. No. 96/1, Plot No. 615, standing on land admeasuring 711 sq. yards, situated at 165, Manekpara, Amreli and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 749 dt. 2-5-1977.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-12-1977

Seal :

## FORM ITNS

(1) Patni Alarakh Hussein Bhoda, etc.  
Baharkat, Veraval, Distt : Junagadh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th December 1977

No. Acq.23-I-1293(621)/10-1/77-78.—Whereas, I,  
S. C. PARIKH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing S. No. 171 & 172 situated at Veraval  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Veraval on 3-5-1977  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—

(2) Shri Bhavna Co-operative Housing Society Ltd.,  
Through President, Shri Asandas Jhethanand Krish-  
nani, VERAVAL.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may  
be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning of given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

An agricultural land bearing S.No. 171 & 172 admeasur-  
ing 11737 sq. yds. situated at Veraval and as fully described  
in the sale-deed registered vide Regn. No. 988 dt. 3-5-1977.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-12-1977

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th December 1977

No. Acq.23-I-1339(622)/16-6/77-78.—Whereas, I,  
S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 374 Plot No. 5 situated at Mavdi Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
11—436GI/77

- (1) (1) Kishanchand Jamnadasbhai Pirwani,  
(2) Rameshchandra Jamnadasbhai Pirwani,  
(3) Pahalaj Jamnadasbhai Pirwani, Bhaktinagar  
Station Plot-2, Rajkot.

(Transferor)

- (2) M/s. Saurashtra Trading Co., through partners :—  
(1) Shri Bhupallal Dhanjibhai Tanna,  
(2) Shri Chandrakant Dhanjibhai Tanna,  
(3) Shri Dilipkumar Dhanjibhai Tanna,  
32, Prahalad Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 416.66 sq. metres bearing Survey No. 374, Plot No. 5, situated at Mavdi Plot, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 958 dt. 11-5-77.

S. C. PARIKH.  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-12-1977  
Seal :

## FORM ITNS—

1. Smt. Leela Bai, W/o Shankerlal Agarwal,  
H.No. 15-1-1 at Osmangunj, Hyderabad.

(Transferor)

2. Smt. Matra Bai Jain, W/o Sri Vamsraj Jain, H. No.  
15-6-614 at Siddiamber bazar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1978

Ref. No. RAC No. 175/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 15-1-6/1 situated at Nizamshahi-Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop, bearing M. No. 15-1-6/1 admeasuring 38 Sq. Yds. situated at Nizamshahi Road, Opposit Osmangunj, Hyderabad, registered vide Document No. 1150/77 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10.1.1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) (1) Shri Dwarkadas Gokaldas Tanna.

(2) Shri Kalidas Gokaldas Tanna.

(Transferor)

- (a) Maniben Chatrabhuj,
- (b) Pramila Chatrabhuj,
- (c) Minaxi Chatrabhuj,
- (d) Minor Piritbala Chatrabhuj,
- (e) Chetna Chatrabhuj,
- (f) Harish Chatrabhuj,

Legal heirs of Late Chatrabhuj Gokaldas, 35, Jagnath Plot, Rajkot.

(2) Shri Tribhovandas Muljibhai Dodiya, First Khetwadi, Badrikashram, 3rd Floor, Room No. 197, Bombay-4.

(Transferee)

(3) Sutar Lalitaben Kanjibhai

(Persons occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th January 1978

No. Acq.23-I-1337(627)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot at Karanpara 13, situated at Between 13 Karanpara &amp; Karansinhji Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 18-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 300-7-72 sq. yards (viz. Hansabhuwan-Old Name-) bearing plot at Karanpara 13, situated between 13, Karanpara & aransinhji Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1012, dated 18-5-1977.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-1-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1978

Ref. No. RAC.No. 176/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 206, 207, 208/14 situated at T.P. Area Tirupathy (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thirupathy on 11-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri M. Munaswamy Reddy, S/o Chinna Venkatesham Reddy, H. No. 382 at Badla Veedi, Tirupathy.  
(Transferor)
2. Shri Ganugapenta Subbaratnamma, W/o Krishna Reddy, H. No. 81 at Nehru Street, Thirupathy.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 206, 207 and 208, TS. No. 4454/2 and 4453/2 Old Ward No. 11 and New Ward No. 14 in T.P. area, Thirupathy, Chittoor-Dist, registered vide Document No. 820/77 in the Office of the Sub-Registrar Thirupathy.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date 11-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

1. Pranalal S/o Karsanji, C/o Gujarathi Hotel, Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

2. Saraswathi Viswa Brahmana Bhavanamu Committee, Represented by Sri M. S. Yadagiri, Acharyulu, H. No. 3-1-51 at Dayananda Bazar, Nizamabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 11th January 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 177/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-11-1079/1 situated at Mirchi Compound, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 27-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property. No. 7-11-1079/1 at Mirchi Compound Nizamabad, registered vide Document No. 2040/77 in the office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 11-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1978

Ref. No. RAC. No. 178/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 231 & 232 S.D. Road, situated at Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 31-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Swastik Construction Co., at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad-3.

(Transferor)

2. Smt. Vibha Bhandari, H. No. 11-3-3/11/2 East Nehrunagar, Secunderabad.

(Transferee)

(3) Bharat Hevy Electricals Ltd. Hyderabad.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Rooms 231 and 232 in 2nd floor of Chandralok Complex situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 797/7 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date 11-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Cwastik Construction Co.,  
at 111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1978

Ref. No. RAC. No. 179/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office No. 323 situated at S.D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 31-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri A. V. Pratap Reddy,  
H. No. 6-3-344/1 at Road No. 1,  
Banjara Hills, Hyderabad-34.

(Transferee)

(3) Director of Atomic Minerals Development Division  
Deptt. of Atomic Energy,  
at 11-S.D. Road, Secunderabad.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office premises No. 323 on the IIIrd floor of Chandralok Complex, at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 798/77 in the Sub-Registrar of Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th January 1978

Ref. No. RAC. No. 180/77-78.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-11 & 12 situated at Mahankali St. Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 23-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Radhakishen Jhaver, S/o Haridas Jhaver, H. No. 366-T.H. Road, Tondiarpet, Madras.  
(Transferor)
- (2) Sri Vonamala Jagadeeswariah, S/o Venkayya, 2184 Mahankali Street, Secunderabad.  
(Transferee)
- (3) 1. Shri Ramachander K. Bhagat,  
2. Sri Amba Bhavani,  
3. Sri Radhakishen Jhaver,  
all R/o H. No. 3-4-11 and 12 at Mahankali St. Secunderabad.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3-4-11 and 12 at Mahankali Street, Secunderabad, registered vide Doc. No. 770/77 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-1-1978.

Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Krishnakumarsinhji Janaksinhji,  
through power of attorney holder,  
Shri Janaksinhji Chandrasinhji,  
Rajpar, Taluka, Wadhwan City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Jamnadas Harilal,  
2 Shri Chimanlal Harilal,  
Satyakunj, Sardarnagar,  
Tagore Main Road, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th January 1978

Ref. No. Acq.23-I-1390(629)/16-6/77-78.—Whereas, I,  
S. C. PARIKH  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 433-1 Paiki, Plot No. 127 situated at Sardar Nagar,  
Tagore Main Road, Rajkot  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Rajkot on 11-5-1977  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-  
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-  
tion and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purpose of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth  
Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

12—436GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

A bungalow known as "Styakunj" standing on land ad-  
measuring 600 sq. yards bearing S. No. 433-1 paiki Plot  
No. 127, situated at Sardar Nagar, Tagore Main Road,  
Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide  
Regn. No. 959, dt. 11-5-1977.

S. C. PARIKH

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR;  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th January 1978

Ref. No. Acq.23-I-1360(630)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 173 2-2 paiki Final Plot No. 200-1, 200-2 paiki S.P. No. 5 of proposed TPS No. 23, situated at Achiar Sabarmati, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mistry Babaldas Tribhowandas,  
2. Mistry Natwarlal Babaldas,  
Sabarmati, Ramnagar, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) G. S. Wilakhoo Enterprises,  
through partners : Gurudev Singh Wilkhoo & others,  
12, Ghosha Society, Opp : Sardar Patel Institute &  
Drive-in-Cinema, Thaltej Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shed standing on land admeasuring 1050-8 sq. mtrs. bearing S. No. 173-2, paiki Final Plot No. 200-1, 200-2, Sub-Plot No. 5 of proposed TPS No. 23, Achiar-Sabarmati, Ahmedabad.

S. C. PARIKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 13-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th December 1977

Ref. C.R. No. 62/9450/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant site bearing No. 12/3A situated at Karithimmanahally, Aswathakatte Road, Mysore Road Cross, Bangalore (Corporation Division No. 24)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 6/77-78 on 1-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Satyankar Traders,  
No. 45, Byrasandra Road,  
Tilak Nagar, Bangalore-560 011,  
Its G.P.A. holder Sri S.G. Satyanarayana Rao.  
(Transferor)(2) Shri K. V. Venkataramaiah Setty,  
S/o Venkatarathniah Setty,  
Merchant, Gulur, Bagepally Taluk,  
Kolar District.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 6/77-78

Dated 1-4-1977]

Vacant site bearing No. 12/3A, Karithimmanahally, Aswathakatte Road, Mysore Road Cross, Bangalore (Corporation Division No. 24).

J. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-12-77

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 20th December 1977

Ref. C.R. No. 62/9451/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property bearing Corporation No. 103, "Prakash Nilaya" Shankara Park, Shankaramutt Road, situated at Shankarapuram, Bangalore-4, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bassavanagudi, Bangalore, Document No. 4/77-78 on 1-4-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) His Holiness Sri Abhinava Vidyathirtha Mahaswamigalavaru, Jagadguru of Sri Sharada Peetha, Sringeri. Represented by G. P. A. holder Shri K. Krishna Bhatt, S/o Sri Narayana Bhatt, R/o Sringeri, Shimoga Dist. Karnataka.

(Transferor)

- (2) Shri D. S. Dwarakanath, S/o B. L. Subbaraya Murthy, No. 105, "Prakash Nilaya", Shankara Park, Shankaramutt Road, Shankarapuram, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 0/77-78

Dated 1-4-77]

Property bearing Corporation No. 103, "Prakash Nilaya", Shankara Park, Shankara Mutt Road, Shankarapuram, Bangalore-4.

Boundaries:—

East—Shankara Mutt Road,  
West—House No. 99 of Anantha Parmanabha  
North—House No. 104 of Shankara Mutt and  
South—House No. 102 of Shankara Mutt.

J. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date 20-12-77

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd December 1977

Ref. C.R. No. 62/9517/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 206/45, Palace Upper Orchards Extn. situated at Bangalore-560 006,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 109/77-78 on 14-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri V. V. Subramani,  
S/o Late Sri V. S. Venkateswara Iyer,  
No. 8, Lord Sinha Road,  
Calcutta-17,  
Presently residing at No. 28,  
Arch Bishop Mathias Avenue, Madras-28,  
Represented by  
G. P. A. Holder Shri V. S. Rajan,  
S/o Sri V. V. Subramanian,  
No. 28, Arch Bishop Mathias Avenue, Madras-28.

(Transferor)

(2) Kumari Sangeetha Sindhe,  
D/o Sri Ashoka Sindhe,  
No. 28, Upper Palace, Orchards,  
Bangalore-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 109/77-78 Dated 14-4-1977]

All that piece and parcel of land together with building, fixture and compound etc. known as No. 206/45, Palace Upper Orchards Extension, Bangalore-6 and measuring East to West—80 ft. and North to South 1123 ft be it little more or less.

## Boundaries :

North : Site No. 338,  
South : Road,  
East : Site No. 207.  
West : Site No. 205.J. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-12-1977

Seal :

## FORM ITNS

(1) Lt. Col. A. W. Sunita,  
No. 475, 1st Stage, Indiranagar,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Valsa Mathew,  
W/o Sri George Mathew,  
"Barton Court", Mahatma Gandhi Road,  
Bangalore-1,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd December 1977

Ref. C.R. No 62/9672/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 176, Defence Officers Colony situated at Indiranagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 35/77-78 on 6-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 35/77-78 Dated 6-4-1977]

All that piece and parcel of land in site No. 176, Defence Officer's Colony, Indiranagar, Bangalore and measuring North to South=100 feet and to West=80 feet.

## Boundaries :

North : 30 feet layout Road,  
South : Site No. 196,  
East : Site No. 177,  
West : Site No. 175.

J. S. RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-12-1977

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

4/41, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 10th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.III/267/77-78/5064.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-2/137 situated at Safdarjung Residential Scheme, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. Subramaniyan S/o  
Sh. R. Rajagopala Iyer,  
R/o 17, Munnuswamy Mudaliar Avenue,  
Kancheepuram (Tamil Nadu)  
(Transferor)
- (2) Shri Bal Krishan Mohla  
S/o Shri Dwarka Nath Mohla,  
Susheel Mohla & Shri Arun Kumar Sharma  
Ss/o Shri Bal Krishan Mohla  
R/o A-2/137 Safdarjang Enclave, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed building constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds bearing plot No. 137 Block A-2 situated at Safdarjung Residential Scheme, New Delhi and bounded as under :—

East : Road  
West : Lane  
North : House No. 136  
South : House No. 138.

A. L. SUD,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 10-1-1978  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
4/41, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 10th January 1978

Ref. No. Acq.III/266/77-78/5064.—Whereas, I, A. L. SUD, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-41 situated at Janta Market, Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jaswant Singh S/o Sh. Ushnak Singh,  
R/o Road No. 43, Kothi No. 38 Punjabi Bagh,  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Kimti Lal and Sh. Som Nath  
Ss/o Shri Sardari Lal  
R/o 3726 Mohalla Shah Ganj, Ajmere Gate,  
Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storeyed house, constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds bearing No. S-41 situated in Janta Market, Rajouri Garden, New Delhi and bounded as under :—

North : Property No. S-42  
South : Property No. S-40  
East : Road  
West : Service Lane

A. L. SUD,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi,

Date : 10-1-1978

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
4/41, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 10th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.III/265/77-78/5065.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52/22 Mpl. No. 8095 situated at Ramjas Road, WEA Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

13—436GI/77

- (1) Shri Anil Kumar Mahajan  
S/o Shri Chaman Lal Mahajan  
R/o No. N-71, Greater Kailash-I,  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Inderjit Kumar Malhotra  
S/o Shri Girdhari Lal Malhotra,  
2. Shri Sat Pal Ghulati  
S/o Shri Kishan Chand Gulati,  
3. Shri Kewal Krishan Manchanda  
S/o Shri Fateh Chand Manchanda,  
4. Shri Ramesh Ram Chandra Lokeshwar  
S/o Shri Ram Chandra Venkateraman Lokeshwar  
5. Smt. Shashi Prabha  
W/o Shri Ram Murti Bhardwaj,  
R/o No. 52/22 Mpl. No. 8095 Ramjas Road,  
WEA Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

- (3) 1. Shri Inderjit Kumar  
2. Shri Sat Paul Gulati  
3. Shri Kewal Krishan Manchanda  
4. Shri Ramesh Ramchander Lokeshwar  
5. Smt. Shashi Prabha Bhardwaj.  
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storcyed house constructed on a plot of land measuring 252.80 sq. yds. bearing No. 52/22 Municipal No. 8095 situated at Ramjas Road, WFA Karol Bagh, New Delhi.

A. L. SUD,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 10-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/41, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 11th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/73/July-I(14)/77-78.—

Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 57 situated at Golf Links, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. S. Sud, S/o Shri Nand Lal,  
R/o 17, Tolstoy Marg, New Delhi

(Transferor)

- (2) M/s Atma Steels Pvt. Ltd.,  
201, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A 2½ storeyed pucca building built on Plot No. 57, Block No. 10 measuring 1373.4 sq yds. situated at Golf Links, New Delhi and bounded as under :—

North-East : Plot No. 58, Block No. 10

North-West : Service Road

South-West : Plot No. 56, Block No. 10

South-East : Approved Road.

J. S. GILL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 11-1-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raj Ahuja

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shobha Kumar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 19th December 1977

Ref. No. AR-I/2011-39/Apr-177.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 769(pt) of Mal & Cum. Hill Divn. situated at Bhulabhai Desai Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 418/74/Bom. and registered on 4-4-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 19-12-1977

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F.4263/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 283 (3.79½ Acres), situated at Kuniamuthur village, Coimbatore Taluk

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR II Coimbatore (Doc. No. 295/77) on 4-4-1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri P. Velayutham,  
S/o Shri Pullaku Servai  
Kuniamuthur village,  
Coimbatore Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Palaniappa Gounder  
S/o Shri Nanjappa Gounder  
Kolathupalayam,  
Sundakamuthur village,  
Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

3.79½ Acres of land bearing S. No. 283 situated at Kuniamuthur village, Coimbatore Taluk.

K. PANNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 3-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F.4263/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 282/1 and 293, situated at Kuniamuthur village, Coimbatore Taluk (3.79½ Acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSR II Coimbatore (Doc. No. 296/77) on 4-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. Velayutham,  
S/o Shri Pullaku Servai  
Kuniamuthur village,  
Coimbatore Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Vijayakumar,  
S/o Shri Palaniappa Gounder,  
Kolathupalayam  
Sundakamuthur village,  
Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

3.97½ Acres of land bearing S. No. 282/1 and 283 situated at Kuniamuthur village, Coimbatore Taluk. (Doc. No. 296/77 JSR II, Coimbatore).

K. PANNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 3-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F.4279/April/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door Nos. 22/20A situated at Othai Chekkara St. No. 2, Coimbatore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 815/77) on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. T. J. Lakshmi Ammal;  
2. T. J. Suguna;  
3. T. J. Kannan;  
4. T. J. Ramachandran;  
5. T. J. Mohan  
6. T. J. Vijayaraghavan; (Minor)  
7. Gokilavani (Minor)  
Minors represented by Smt. Lakshmi ammal  
No. 41 Karuppa Gounder St.,  
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Shri N. Renganathan  
No. 109 Dr. Nanjappa Road,  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing D. No. 22/20-A, (T.S. No. 5/295) Othai Chekkara Street No. 2 Coimbatore.

K. PANNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 3-1-1978.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 536.—Whereas, I, N. K. Nagarajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 33 and 34/2 situated at Potharlanka

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhattiprolu on 12-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- |     |                                   |                            |
|-----|-----------------------------------|----------------------------|
| (1) | (1) S/Shri Puvvada Suryanarayana, |                            |
|     | (2) P. Krishnamurthy,             |                            |
|     | (3) P. Durgaprasad,               | } Minor by guardian father |
|     | (4) P. Bhaskararao,               |                            |
|     | (5) P. Anand Mohanrao,            |                            |
|     | Vijayawada-1.                     | P. Krishna Murty           |

(Transferor)

- (2) Shri Kurra Gopalakrishnaiah,  
S/o Venkataramaiah,  
Potarlanka, Repalle Taluk,  
Guntur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 350/77 registered before the Sub-registrar, Battiprolu during the fortnight ended on 15-5-1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 30-12-77

Spd :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 537.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rice Mill D. No. 161 situated at Mopidevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Challapally on 4-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) (1) Kantamneni Krishna Saraswatamma, Nagayatippa,
- (2) Guthikonda Saikumar Nagayatippa, Divi Taluk,
- (3) Guthikonda Satyavathidevi, Nagayatippa.
- (4) Nuthakki Kamala Tulasamma, Mopidevi Wharf,
- (5) Vallabhaneni Vijayakumari, Sajjavaripalem, Repalli Taluk, Guntur Dist.

(Transferor)

- (2) (1) Kantamneni Bhavanisankaraprasad, Nagayatippa,
- (2) Kantamneni Suseeladevi, Nagayatippa.
- (3) Y. Chidananda Jaisuryam, Nagayatippa.
- (4) Y. Padmanabharao, Bodapadu, Tenali Taluk.
- (5) Kothapalli Venkatasubbarao, Oleru, Repalli Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 749/77 registered before the Sub-Registrar, Challapally during the fortnight ended on 15-5-1977.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 30-12-77

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 538.—Whereas, I, N. K. Nagarajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-1-16 situated at Changalraopet Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 5-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) (1) Pandurangi Konanda Ramarao,  
(2) P. Sreenivasa Narasingarao,  
(3) P. Mupralikrishna,  
Minor by guardian father  
P. Kodandaramarao,  
Co-operative Colony, Near Sankar Matham,  
Visakhapatnam-4.

(Transferor)

- (2) Shri Kodukula Venkateswarlu,  
22-1-16, Agraharam St.,  
Changalraopet,  
Vizag-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1188/77 registered before the Sub-registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on 15-5-1977. the fortnight ended on 15-5-1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 30-12-77

Seal:

## FORM ITNS—

- (1) S/Shri Javar Deen and Ragbir sons of Sri Kabool, R/o Vill. Purbaliyan, Parg. Shikarpur, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Nahar Singh and Kiranpal Singh Sons of Sri Balwant Singh, R/o Vill. Purbaliyan, Parg. Shikarpur, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January 1978

Ref. No. Acq/610-A/M. Nagar/77-78/7310.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PFR SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at Vill. Purbaliyan Parg Shikarpur, Distt. Muzaffarnagar transferred for an apparent consideration of Rs. 46,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-1-78

Seal

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 17th January 1978

Ref. No. Acq/737-A/B. Shahar/77-78/7309.—Whereas I,  
R. P. BHARGAVA

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Surta Devi wife of Satyapal Singh  
R/o Gera, Parg. Ahar, Teh. Anoop Shahar,  
Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Shri Khoob Singh son of Shiv Singh  
R/o Khairpur, Parg. Syana  
Saidpur, Teh. & Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at Kharkali Parg. Syana, Jangal Avval, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.Date : 17-1-78  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) S/Shri Kale Singh, Sukhraj sons of Jullan,  
R/o Makri, P O Khas, Parg Syana  
Teh Kila, Distt Bulandshahar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) S/Shri Bhawani Singh, Phool Chand, Man Singh  
All sons of Chiranjil Lal R/o Makri P O Khas,  
Distt Bulandshahar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January 1978

Ref No Acq/736 A/B Shahar/77-78/7308—Whereas I,  
R P BHARGAVA

being the competent authority under section 269B of the  
Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs 25,000/ and bearing

No AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Bulandshahar on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957  
(27 of 1957),

Now therefore in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at Vill  
Makri, Parg Syana, Distt Bulandshahar, transferred for an  
apparent consideration of Rs 30,000/

R P BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date 17-1-78  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 17th January 1978

Ref. No. Acq/607-A/M Nagai/77-78/7307.—Whereas I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Alijan and Rehman sons of Kabool  
R/o Vill. Purbaliyan, Parg. Shikarpur,  
Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Masoom Ali, Afsaroon sons of Meharban  
(Both Minor sons), Guardian Meharban  
S/o Karam Singh, R/o Vill. Purbaliyan,  
Parg. Shikarpur, Teh. Budhana,  
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at Purbaliyan Parg. Shikarpur, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 57,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-1-78

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 17th January 1978

Ref. No. Acq/738-A/B. Shahar/77-78/7306.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Afsari Begum widow Mahboob Ali  
R/o Aurangabad, P.O. Khas, Parg. Baran  
Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) S/Shri Shadi s/o Baldeo, Chandra Pal, Om Prakash  
Mehi Lal sons of Chidda, Hukum Singh, Ganga  
Das sons of Har Bhajan, Itwari S/o Chunni Singh,  
Ram Swaroop S/o Tulsi, R/o Mundi  
Babbapur, P.O. Khas, Parg. Syana, Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at Vill. Aurangabad, Parg. Baran, Distt. Bulandshahar transferred for an app. consideration of Rs. 31,500/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-1-78

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Munna Lal s/o Ram Narain  
R/o Vill Raniya, Post Office Raniya  
Teh Akbarpur, Distt. Kanpur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahgu Lal and Mishri Lal, Ram Prasad and  
Mewa Lal, s/o Ujagar,  
R/o 86/3, White Colony, Juhi, Kanpur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January 1978

Ref No 755-A/Acq/KNP/77-78/7312 ---Whereas I,  
R. P. BHARGAVA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/-  
and bearing

No AS PFR SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Ghatampur on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at vill.  
Hum. Paig Ghatampur, Distt Kanpur, transferred for an  
apparent consideration of Rs 30,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 17-1-78  
Seal;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 546.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23.5.32 and 33 situated at Patnam Bazar, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 23-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Majeti Panakalarao,  
S/o Mutyalaraao,  
Madireddi vari St., Near Big Mosque,  
Rajahmundry.

(Transferor)

S/Shri

- (2) (1) Tadikonda Koteswararao,  
S/o Venkateswarlu,  
(2) T. Ramavara Prasad, | Sons of Koteswararao,  
(3) T. Bhuvaneswararao, | Patnam Bazar, Guntur  
(4) T. Hari Prasad,

(Transferee)

- (3) Shri Majeti Subrahmanyam,  
D. No. 23.5.32,  
Patnam Bazar, Guntur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2301/77 registered before the sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-5-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-1-78  
Seal ;



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 7th January 1978

Ref No Acq F No 552—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 10-1-4 situated at Gunturivari Thota, Guntur (and more fully, described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 10-1-4 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —  
15—436GI/77

- S/Shri
- (1) (1) Smt Kuria Annapurnasagar,  
W/o Late K Vidyasagar,
  - (2) Kum Mathali,
  - (3) Iaxmayya, } Minors by guardian mother
  - (4) Chaitanya, } K Annapurnasagar
  - (5) Kuria Balasubrahmanyam,  
S/o Iaxmayya,
  - (6) Kuria Raghavendarao,  
S/o Iaxmayya,
  - (7) Smt Swarnakumari  
W/o V Tatayya Chowdari,
  - (8) Smt Pativathidevi,  
W/o Davuluri Rangabhashyam,
  - (9) Smt Vedavathi,  
W/o Chekuri Venkayya,
  - (10) Smt Kalyani,  
W/o Potla Gopayya Chowdari
  - (11) Smt Dhanalakshmi,  
W/o Maguluri Ravikumar,  
Sambasivapeta, Guntur  
(now residing at Hyderabad)
- (Transferor)
- (2) Shri Nannapaneni Venkata Subbamma  
W/o Rattiah,  
Narasayapalem P.O.,  
Bapatla Tq., Guntur Dist
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 2450/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-5-77

N K NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-1-78

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 553.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 47-5-2 situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 20-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

NOW, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohd. Vazeeruddin,  
S/o Late Jainullaiddin Saheb,  
Rajahmundry  
(Now at Bombay-400001, Business). (Transferor)
- (2) Majeti Panakalarao,  
C/o Srinivasa Finance Corporation,  
Devi Chowk, Rajahmundry. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1719/77 registered before the Sub-registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 31-5-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 7-1-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th January 1978

Ref. No Acq. F. No. 554.—Whereas, J. N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 30 and 31 situated at Vazrakutam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 15-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- S/Shri  
(1) (1) Morukurti Gangaraju,  
S/o Tatyam,  
(2) M. Bhadram  
(3) M. Satyanarayana  
(4) M. Apparao,  
(5) M. Naganna,  
(6) M. Atchayya, } Minor by guardian  
father M. Gangaraju,  
Komaragiri  
(Transferor)

- (2) Shi Damara Venkata Sesharao,  
S/o Venkata Apparao,  
Chitlada, Pithapuram Tq.,  
E.G. Dt.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1821/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-5-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date - 7-1-78

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 555.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9,68.27 situated at Doodi Factory St., Kothapeta, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 4-5-77

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as against to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Boddu Lakshmana Rao,  
S/o Late Satyanarayana Murty,  
Motor Mechanic, Doodi Factory St.,  
Behind Fish Market,  
Vijayawada-1.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Akram,  
C/o Andhra Dry Fish Co.,  
Kothapeta Fish Market,  
Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 901/77 registered with Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-5-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date - 7-1-78

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 556.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 15/1 and 1A situated at Mandapadu Vg., Gudivada Municipal Area (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada on 4-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri T. Varalakshmi & T. V. A. Rammohan Rao,  
C/o Punjab National Bank,  
Rashtrapathi Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Kodur Basava Sankararao,  
S/o Rangarao,  
Srirama Rice Mills,  
Gudivada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 941/77 registered before the Sub-registrar, Gudivada, during the fortnight ended on 15-5-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 7-1-78  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th January 1978

Ref No Acq F No 557—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No RS No 311 and 322/2 situated at Tholukodu Vg., of Mylavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylavaram on 20-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) (1) S/Shri Velvadapu Ramakrishnarao, S/o Lakshminarayana, and his undivided sons,
  - (2) Lakshminarayana,
  - (3) Venkata Muralidhararao,
  - (4) Ramachandrarao,
  - (5) Venkata Vishnuvardhanarao,
  - (6) Suryanarayana
- Represented by father  
V Ramakrishna Rao,  
Velavadam Vg., (Via)  
Mylavaram, K Dist  
S/Shri

(Transferor)

- (2) (1) Att Yedukondalu and
- (2) Atta Srinivasarao,  
Both represented by father A Puttaiah,  
S/o Venkiah,  
Tholukodu,  
B/o Mylavaram, Krishna Dist

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 525/77 registered before the Sub-registrar, Mylavaram during the fortnight ended on 31-5-77

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date 7-1-78  
Seal .

## FORM ITNS

(1) Dr Patibandla Dhakshinamurty,  
Girija Nursing Home,  
Kothapeta,  
Tenali

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri T V Purushothammarao,  
Advocate,  
Madireddyvari Street, Suryapeta,  
Vijayawada

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 7th January 1978

Ref No Acq F No 559—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Ward No 27 situated at Chelasani Venkatakrishnaiah St, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule property as per registered document No 1278/77 registered with Sub registrar Vijayawada during the fortnight ended on 31-5-1977.

N K NAGARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-1-78

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 560.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/24 situated at Eluru Road, Nidamanuru (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 3-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- S/Shri  
(1) (1) Nanduru Kutumbarao,  
S/o Venkatappayya,  
(Retd. P.W.D. Supervisor),  
(2) N. Poornachandrarao,  
S/o Venkatappayya,  
Nidamanuru,  
Vijayawada Tq.

(Transferor)

- S/Shri  
(2) (1) Seedrala Venkata Subba Rao,  
S/o Kutumbayya,  
(2) Smt. S. Bharati,  
W/o S. V. Subbarao,  
Nidamanuru,  
Vijayawada Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1324/77 registered before the sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-5-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-1978

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No Acq F. No. 561—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No

15/Now Machayaram Ward 8/100th in Sri Venkatachari Lakshmi Talkies, Machilipatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on May 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

16—436GI/77

- (1) (1) Kollipara Steeramulu
- (2) Kollipara Venkatagangadharaprasadarao
- (3) Venkata Krishnasatyanarsimharao,  
M/ Sri K. Steeramulu,  
C/o Venkata Hari Lakshmi Talkies,  
Machilipatnam.

(Transferor)

- (2) Shri Gundu Krishna,  
S/o G. S. A. Sambasivarao,  
C/o Sri Venkata Hari Lakshmi Talkies,  
Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The scheduled property as detailed in the document No. 1320/77 registered with Sub-Registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31-5-1977 including machinery.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. N. 562.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/New Machayaram Ward 8/100th in Sri Venkatachari Lakshmi Talkies, Machilipatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed under the Registration Act 1908 (16 of 1802) in the Office of Registering Officer at Machilipatnam on May 1977 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) (1) Kollipara Sreeramulu
- (2) K. Venkatagangadharaprasadarao
- (3) K. Venkatakrishnasatyanarasimharao
- M. G. K. Sreeramulu
- C/o Sri Venkatachari Lakshmi Talkies, Machilipatnam.

(Transferor)

- (2) Palakurthy Lakshmi Ganapathirao, S/o Kantharao
- C/o Sri Venkatachari Lakshmi Talkies, Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The scheduled property as detailed in the document No. 1321/77 registered with Sub-registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31-5-1977 including machinery.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-1978

Seal .

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. N. 563.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15/New Machavaram ward 4/100th share in Sri Venkata-Hari Talkies (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on May 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (1) Kollipara Sreeramulu
- (2) K. Venkatagangadhara Prasadarao
- (3) K. Venkatakrishnasatyanarasimmarao
- M/G. K. Sreeramulu
- C/o Venkata Hari Lakshmi Talkies,
- Machilipatnam.

(Transferor)

- (2) G.S.A. Sambasivarao, S/o Satyanarayanamurthy
- C/o Sri Venkata Hari Lakshmi Talkies,
- Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The scheduled property as detailed in the document No. 1322/77 registered with Sub-registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31-5-1977 including machinery.

N. K. NAGARAJAN  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref No Acq F No 561—Whereas, I N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

15/New situated at 8/100th share in Sri Venkatahari Lakshmi Talkies, Machilipatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on May 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .—

- (1) (1) Kollipara Sreeramulu  
(2) K Venkatagangadharaprasadarao  
(3) K Venkata Krishnasatyanarasimharao,  
M/G K Sreeramulu,  
C/o Venkata Hari Lakshmi Talkies,  
Machilipatnam  
(Transferor)

- (2) Sri Gundu Murthyujaya Naga Krishna Vittal  
S/o G S A Sambasivarao,  
C/o Sri Venkata Hari Lakshmi Talkies,  
Machilipatnam  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The scheduled property as detailed in the document No. 1323/77 registered with Sub registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31.5.1977 including machinery

N K NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Kakinada

Date 9-1-1978  
Seal .

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref No Acq F No 561—Whereas, I, N K NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 15/Now Machayaram Ward 8/100th in Sri Venkatachari Lakshmi Talkies, Machilipatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Machilipatnam on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Kollipara Sreeramulu  
(2) K Venkatagangadharaprasadarao  
(3) K Venkata Krishnasatyanarsimharao,  
M/G Sri K. Sreeramulu,  
C/o Venkata Hari Lakshmi Talkies,  
Machilipatnam

(Transferor)

- (2) Shri Palakurthy Lakshmi Ramachandrasekhar,  
S/o P L Ganapathuao,  
Machilipatnam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

The scheduled property as detailed in the document No 1320/77 registered with Sub-registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31-5-1977 including machinery

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Kakinada

Date 9-1-1978  
Seal

## FORM ITNS

- (1) S/Shri Abdul Manna s/o Faiyyaj Khan,  
Smt. Sajda Khatoon w/o Shamimuddin,  
r/o Akbarpur Jajha, Parg. Agauta, P.O. Gulaparhi,  
Distt. Bulandshahar,

(Transferor)

- (2) Smt. Arshadi Begum w/o Firoz Ahmad Khan, R/o  
Akbarpur Jhajha, Parg. & Distt. Bulandshahar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January 1978

Ref. No. Acq./732-A/Buland Shahar/77-78/7313.—  
Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under section 269B  
of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-  
red to as the said Act), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Bulandshahar on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons  
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons—  
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE:

Immovable property consisting of land situated at vill.  
Akbarpur Jhajha, Distt. Bulandshahar, transferred for an  
apparent consideration of Rs. 8,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-1-78

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 17th January 1978

Ref. No. Acq/644-A/G. Bad/77-78/7311.—Whereas I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bhu Devi widow Balbir Singh  
R/o Vill. & P.O. Sapnawat,  
Parg. Dasna, Distt. Ghaziabad.  
Present Address : 1291, Pyare Lal Sharma Road,  
Meerut.

(Transferor)

(2) Rampal Singh Rana son of Arjun Singh  
R/o Vill. & P.O. Sapnawat,  
Parg. Dasna,  
Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land situated at Vill. Sapnawat, Parg. Dasna, Distt. Ghaziabad transferred for an apparent consideration of Rs. 45,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 17-1-78

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 568.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 7-136 situated at Bobbili (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bobbili on 25-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Chelikani China Gopalrao,  
S/o Chinnarao,  
Agriculturist, Pirdi, Bobbili (P.O.),  
Srikakulam Dist.

(Transferor)

(2) Shri G. Venkatarao,  
C/o Y. Narayanamurthy,  
Chartered Accountant,  
27.4.51, Main Road,  
Visakhapatnam-530002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) facilitating the concealment of any income or any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1781/77 registered before the sub-registrar, Bobbili during the fortnight ended on 31-5-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-1978

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref No Acq F No 569 —Whereas, I, N K NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

11-30-31 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in May 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

17—436G1/77

S/Shri

(1) (1) Inaturi Poonnachandra Rao  
S/o Kutumba Rao,(2) I Chandrasekhari  
Minor by guardian father  
I Poonnachandrarao Advocate,  
Governorpetta Vijayawada 2

(Transferor)

(2) Mahesh Trust, Nandipativu St, Vijayawada-1  
Represented by its Trustees

S/Shri

(1) Ramkumar Bang  
S/o Govindram Bang,(2) Vittalprasad Ballad,  
S/o Govardhan Ballad,(3) Bansilal Loya  
S/o Bankallal Loya,(4) Sitaram Gilda,  
S/o Srinivas Gilda,(5) Mohanlal Saboo,  
S/o Krishnalal Saboo,  
Vijayawada

(Transferee)

S/Shri

(3) (1) Tupudi Laxmipati,

(2) Konakallalaxminiravani,

(3) Nandipati Srinamulu

(4) Bommisetty Venkateswararao  
Nandipativu St  
Vijayawada 1

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property is per registered document No 1159/77 registered before the Sub-registrar Vijayawada during the fortnight ended on 31.5.77

N K NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range, Kakinada

Date 9.1.1978

Seal

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq F. No. 570.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS No. 1008 situated at Waltair (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 31-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Shri Kucharlapati Appalaraju,  
S/o Late Sita Ramaraju,  
Accountant Bank of India, Kakinada.

(Transferor)

(2) Smt. Chirravani Jayalaxmi,  
W/o Viswanadhasastry,  
Shivanagar, Satara Dist., Maharashtra State.  
C/o Sri Yechuri Bhaskara Haranath, Advocate,  
Yechuri House,  
27-4-69, Main Road,  
Visakhapatnam-530002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1525/77 registered before the Sub-registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on 31-5-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 571.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/139 situated at Gudivada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gudivada on 5-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Rachakulla Sumarajyam,  
W/o Late Sitaramanjjaeyulu,  
(2) Mr. R. Baburao,  
(3) Kum. R. Manjuladevi,  
(4) Mr. R. Venkatasambasivaiah,  
(5) Kum. R. Venkatalaxmikumari,  
Minors by guardian mother Samrajyam  
7th Ward, near Sivalayam,  
Gudivada

(Transferor)

- (2) Smt. Surya Devara Varalaxmi,  
W/o Suryanarayana,  
C/o K. Vceraraghavaiah,  
Medical and Cement Dealer,  
Near Raju Hotel,  
Gudivada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 954/77 registered before the Sub-registrar, Gudivada during the fortnight ended on 15-5-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 9th January 1978

Ret. No. Acq. F. No. 572—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 309/72 situated at Veeeraghattam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Srikakulam on 17-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Shri
- (1) (1) Kaspā Jagan Mohan Rao,  
S/o Laxmanamurti,
  - (2) Kaspā Ramaprasadarao,  
S/o Chinnā Narasimhulu,
  - (3) Kaspā Manmadarao,
  - (4) Kaspā Ramakrishna,  
S/o Ramaprasadarao,  
Veeraghattam, Palakonda Tq.,  
Srikakulam Dist.

(Transferor)

- S/Shri
- (2) (1) Adapa Mohan Rao,  
S/o Appalaswamy,
  - (2) Mallabilli Bhujangarao,  
S/o Ramarao,
  - (3) N. Manmadarao,  
S/ Gurumurti,
  - (4) Namburu Appalaswamy,  
S/o Sanyasi,  
Veeraghattam, Palakonda Tq.,  
Srikakulam Dist.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. No. 1539/77 registered before the Sub-registrar, Srikakulam during the fortnight ended on 31-5-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-78

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 558.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 27 situated at Chelasani Venkatakrishnaiah Street Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Dr. Patibandla Dhakshnamurthy,  
Giriya Nursing Home,  
Kothapeta, Tenali.

(Transferor)

(2) Smt. T. Rajarajeswari,  
W/o I. V. Purushothamarao,  
Advocate,  
Madiveddivari Street, Suryaraopeta,  
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1279/77 registered with Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 31-5-1977.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-78

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Sushila Devi Sharma,  
W/o Shri Biswanath Sharma,  
Tokobari, Gauhati.

(Transferor)

(2) M/s. Chemical & Pharmaceuticals (India),  
Shiw Market, Gauhati-I.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 20th December 1977

Ref. No. A-141/GAU/77-78/1034-35.—Whereas, I,  
EGBERT SINGH  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'),

have reason to relieve that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Dag No. 716 and 717, KP. Patta No. 225  
situated at Village Jafrigog, Mauza Beltola, Gauhati (Assam)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Gauhati on 19-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act, in respect of any income arising from  
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 2 Katta 7½ Lachs situated at  
Village Jafrigog, Mauza Beltola, Gauhati in the district of  
Kamrup, Gauhati.

EGBERT SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 20-12-77  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 29th December 1977

Ref. No. A-142/Gau/77-78/1181-85.—Whereas, I, **EGBERT SINGH**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 208 and K.P. Patta No. 8, situated at Village RUKMINIGAON, Mouza BELTOLA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 22-6-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) S/Shri Kangkai Goia,  
(2) Sii Rabi Garo,  
Village-Rukminigao, Mouza, Beltola,  
Gauhati. (Transferor)
- (2) (1) S/Shri Raj Singh Sadana,  
(2) Sri Bhupinder Singh Sadana,  
(3) Sri Aswinder Singh Sadana,  
Fancy Bazar, Gauhati. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2(two) Bigha 4(four) Katha and 5(five) Lecha of Village Rukminigaon, mouza Beltola, Gauhati, District Kamrup, Assam.

**EGBERT SINGH**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 29-12-77

Seal .

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 9th January 1978

Ref No A-143/SILCHAR/77-78/1227-31.—Whereas, I, EGBFRT SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. RS Patta No. 637 Dag, No. 5882, 5883/5879 situated at Mouza Silchar town, Pargana Barakpur, Assam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 2-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manabendra Sankar Dutta,  
S/o Late Minindra Sankar Dutta,  
Shanwai Bhavan, Hospital Road,  
Silchar.

(Transferor)

(2) Shri Kashi Ram Jain,  
S/o Late Shew Narain Jain  
Shri Hanuman Prasad Jain,  
S/o Shri Kashi Ram Jain  
Shri Om Prakash Jain,  
S/o Shri Kashi Ram Jain.  
Shri Ajoy Kumar Jain,  
S/o Shri Kashi Ram Jain,  
All C/o M/s. Steel Traders,  
Hospital Road, Silchar-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 7 Katha 2 Chatk situated at Mouza Silchar Town, Pargana Barakpur in the district of Cachar (Assam)

EGBFRT SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 24-11-1977

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 16th January 1978

Ref. No. Acq/615-A/M. Nagar/77-78/7223—Whereas, 1. R. P. BHARGAVA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Jagroshan Lal Son of Ramji Lal  
R/o Vill. Kandhla, Parg. Kandhla,  
Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

- (2) S/Shri Ishwar Singh. Avtar Singh Both Sons of  
Girwar Singh. Surya Prakash, Chandra Prakash,  
Umesh Kumar, Krishna Kumar, Sant Kumar.  
All sons of Ishwar Singh, Nahar Singh S/o  
Girwar Singh, Brijpal S/o Nagar Singh  
All R/o Khuwaspur (Bhakmulpur), P.O. Khas  
Parg. Kandhla Distt. Muzaffarnagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THIS SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring about 14 Bigha, 18 Biswa, 6 Biswansi, situated at Vill. Kandhla, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 91,913/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 16-1-78

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th January 1978

Ref. No. Acq/651-A/Ghaziabad/77-78. —Whereas I,  
R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-4-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) S/Shri Om Prakash S/o Musaddi Lal,  
Smt. Sushila Devi, Rajnibala Agarwal  
Arvind Agrawal S/o Om Prakash,  
All Residents of 143, Ragnagran,  
Delhi Gate, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Vijay Kumar S/o Daksh Kumar  
R/o Kambalwali Gali, Delhi Darwaja,  
Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 225, situated at Mohalla Kanhaiyalal Pasreh Bazar, Naya Darwaja, Distt. Ghaziabad transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

R. P. BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 16-1-78

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 7th January 1978

Notice No. 201/778 Acq - Whereas, I. D. C. RAJAGOPALAN, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. 483A/2 AND 3, situated at KARWAR, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Karwar, Under Document No 73/77.78 on 26-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohan Vishwanath Kasbekar Power of Attorney Holder Doctor. Kashinath Vithal Borkar, Pensioner, R/o. Kasba Kajubag, Karwar.

(Transferor)

(2) Shri Dayanand Allas Sheshgiri Ramachandra Kamath, Kajubag, Karwar.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Non-Agricultural Lands situated within the Karwar Municipality; Bearing survey No. 483A/2 and 483A(3), measuring 12.5 Gunthas and 11.5 Gunthas Respectively. Total Area 24 Gunthas.

D G. RAJAGOPALAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, DHARWAR

Date : 7-1-1978

Seal

